RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक

जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 16 ■ अंक :196 ■ 29 नवंबर, 2021 ■ मूल्य : 30/-प्रति

महात्मा फूले

की १३१वीं पुण्यतिथि पर

पुण्य स्मरण

महात्मा ज्योतिबा फुले की 131 वीं पुण्यतिथि पर जननायक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अर्पित किए श्रद्धा सुमन

हमें महात्मा फूले के आदर्शो को जीवन में उतारने की आवश्यकता है– अशोक गहलोत

जयपुर। सहकार मार्ग स्थित महात्मा फुले सर्किल पर जननायक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री जी ने कहा की महाराष्ट्र में महात्मा फुले को गांव ढाणी तहसील में उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर याद किया जाता है और राजस्थान में भी महात्मा फुले को पूरे प्रदेश में 11अप्रैल को जयंती व आज के दिन पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महापुरुषों को उनके पुण्यतिथि या जयंती पर याद करने का अपने आप में एक अलग महत्व है। हमें महात्मा ज्योतिबा फुले व महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में उतारने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले जी की पुण्यतिथि पर पूरा देश उन्हें याद कर रहा है और महाराष्ट्र में विशेष रूप से क्योंकि अगर 100 वर्ष पहले उस जमाने में जब सामाजिक रीति–रिवाज ऐसे थे, कोई कल्पना नहीं कर सकता आज। स्त्रियों को पढ़ाना तो पाप समझते थे, उस वक्त उन्होंने अपनी पत्नी सावित्री बाई फुले को शिक्षा दी, फिर वो खुद टीचर बनीं और सामाजिक सुधार के अंदर जिस रूप में क्रांतिकारी काम उन्होंने किए, उसके कारण से पूरे महाराष्ट्र के अंदर घर–घर में, गांव में, कस्बों में, जिलों में सब जगह उनको याद किया जाता है। अगर महाराष्ट्र जाएंगे तो सब जिलों के अंदर, सब कस्बो के अंदर, कोई ना कोई शिक्षण संस्थान ये आपको मूर्ति लगी हुई मिलेगी। और तो और महाराष्ट्र के मंत्रालय के अंदर भी आदमकद मूर्ति ज्योतिबा फुले की लगी हुई है। उससे अंदाज कर सकते हैं कि वो कैसा व्यक्तित्व था। डॉ. अंबेडकर साहब ने तो उनको अपना गुरू माना था क्योंकि वो जानते थे कि अंबेडकर साहब की जो भावना उनकी खुद की है, वो ही भावना ज्योतिबा फुले की उस जमाने में थी और उसी आधार पर लड़ाई लड़ी गई पूरे देश के अंदर। मैं समझता हूं कि ऐसे महापुरुष को याद करना, युवा पीढ़ी को प्रेरणा देना होता है कि हमें देश को किस दिशा में ले जाना चाहिए क्योंकि जब तक प्रेम, भाईचारा, सामाजिक सद्भाव, सामाजिक न्याय नहीं मिलेगा सोशल जस्टिस नहीं मिलेगा, तब तक मुल्क एक व अखंड नहीं रह सकता है, समाज में सामंजस्य, प्रेम व भाईचारा रह नहीं सकता है और कोई मुल्क, कोई प्रदेश, कोई गांव, कोई घर जहां पर आपस में भाईचारा होता है वही आगे बढ़ता है और जहां अशांति होती है, हिंसा होती है, वो कभी आगे नहीं बढ़ सकता। तो इसलिए मूल भावना यह है कि हम सब कैसे आज के माहौल में जो है विशेष आवश्यकता है ज्योतिबा फुले जैसे महापुरुषों के आदर्शों को अपनाने की और लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना भी यही है। तो आज हमें लोकतंत्र की रक्षा करनी है, संविधान की रक्षा करनी है, तो हमें संविधान की मूल भावना को जिसमें सारा सार आ जाता है, ज्योतिबा फुले का भी आ जाता है, डॉ. अंबेडकर साहब का तो उन्होंने खुद ने निर्माण किया संविधान का, वो आ जाता है और आजादी के योद्धाओं का, महात्मा गांधी जी के सानिध्य में जो लड़ाई लड़ी गई, पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद और डॉ. अंबेडकर साहब जैसे बड़े–बड़े नेता थे उस जमाने में, लंबी लिस्ट है, उन सबको जब याद करते हैं तो पाते हैं कि संविधान को बचाना आवश्यक है, देश को बचाने के लिए। आज उनकी पुण्यतिथि है और पुण्यतिथि के अवसर पर यहां पर हम सब लोग सब इकट्ठा हुए, आप देख रहे हैं इतनी बड़ी संख्या में आए हैं सब लोग। ये मायने रखता है कि उनके प्रति कितनी आस्था है। मैं समझता हूं कि उसकी भावना के अनुसार हमें चलना है।

महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान के प्रवक्ता भवानी शंकर माली ने बताया कि इस मौके पर उद्योग मंत्री श्रीमती शकुंतला रावत, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पूर्व मीडिया चेयरपर्सन श्रीमती अर्चना शर्मा, संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अनुभव चंदेल, राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष छुट्टन लाल सैनी फूलवाले, संस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मांगीलाल पंवार, पूर्व सांसद डॉक्टर करण सिंह यादव, पूर्व चेयरमैन जीएल वर्मा, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी सत्यनारायण सिंह सैनी, बिरधीचंद सिंगोदिया, सैनी अधिकारी कर्मचारी संस्थान के अध्यक्ष राजू लाल सैनी, संस्थान के महामंत्री पूनम कच्छावी, ग्यारसी लाल सैनी, संस्थान के जयपुर जिलाध्यक्ष सीताराम सैनी एडवोकेट, भवानी मल अजमेरा, विनीत सांखला, बंशीधर सैनी, जयपुर माली सैनी समाज के अध्यक्ष रोशन सैनी, श्रीमती संतोष सैनी शौर्य संस्था, सीता भाटी, संजय सैनी, रूपनारायण सैनी, राजकुमार सैनी, राकेश माली, युवा नेता मोहित सैनी सहित सैकड़ों लोगों ने महात्मा फुले को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 16 ● अंक 196 ● 29 नवंबर, 2021 ● ● मूल्य : 30/-प्रति ●

माली सैनी संदेश पत्रिका के माननीय सम्मानीय संरक्षक सदस्यण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी / भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति / समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स / समाजसेवी)

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

डॉ. किशन माली
(शिक्षक/ समाजसेवी)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा
(हृदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान अशोक पंवार
(कॉन्ट्रेक्टर/भामाशाह)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद्/ समाजसेवी)

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर / समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार
(बिल्डर / उद्यागपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार
(शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाईट)

श्रीमान अरविंद कच्छवाहा
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान प्रीतम गहलोत
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान आर.पी. सिंह परिहार
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान बंशीलाल सैनी
(व्यवसायी/समाजसेवी)

सी.ए. श्री महेश गहलोत
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्री आदित्य सिंह गहलोत
(युवा राजनेता/समाजसेवी)

श्री चन्द्रसिंह देवड़ा
(समाजसेवी/उद्योगपति)

श्री प्रकाश सिंह गहलोत
(कॉलोनाईजर/समाजसेवी)

श्री दीपकसिंह गहलोत
(आईटी एक्सपर्ट/भामाशाह)

श्री महेश गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

श्री रामचंद्र सोलंकी
(पूर्व अध्यक्ष, रामदेवरा धर्मशाला)

माली सैनी संदेश के माननीय संरक्षक बनने हेतु आप सादर आमन्त्रित है

संपादक की कलम से...

स्वंय को संगठन से जोड़ियें

स्वयं को संगठन से जोड़े। व्यक्तिगत स्पर्धा और स्वार्थ के लिए नही।

'एक वन में बहुत बडा अजगर रहता था। वह बहुत अभिमानी और अत्यंत क्रूर था। जब वह अपने बिल से निकलता तो सब जीव उससे डरकर भाग खड़े होते। उसका मुंह इतना विकराल था कि खरगोश तक को निगल जाता था। एक बार अजगर शिकार की तलाश में घूम रहा था। सारे जीव अजगर को बिल से निकलते देखकर भाग चुके थे। जब अजगर को कुछ न मिला तो वह क्रोधित होकर फुफकारने लगा और इधर–उधर खाक छानने लगा। वहीं निकट में एक हिरणी अपने नवजात शिशु को पत्तियों के ढेर के नीचे छिपाकर स्वयं भोजन की तलाश में दूर निकल गई थी। अजगर की फुफकार से सूखी पत्तियां उडने लगी और हिरणी का बच्चा नजर आने लगा। अजगर की नजर उस पर पड़ी हिरणी का बच्चा उस भयानक जीव को देखकर इतना डर गया कि उसके मुंह से चीख तक ना निकल पाई। अजगर ने देखते–ही–देखते नवजात हिरण के बच्चे को निगल लिया। तब तक हिरणी भी लौट आई थी, पर वह क्या करती ? आंखों में आंसू भरके दूर से अपने बच्चे को काल का ग्रास बनते देखती रही। हिरणी के शोक का ठिकाना न रहा। उसने किसी–न किसी तरह अजगर से बदला लेने की ठान ली।

हिरणी की एक नेवले से दोस्ती थी। शोक में डूबी हिरणी अपने मित्र नेवले के पास गई और रो–रोकर उसे अपनी दुखभरी कथा सुनाई। नेवले को भी बहुत दुःख हुआ। वह दुख–भरे स्वर में बोला मित्र, मेरे बस में होता तो मैं उस नीच अजगर के सौ टुकडे कर डालता। पर क्या करें, वह छोटा–मोटा सांप नहीं है, जिसे मैं मार सकूं, वह तो एक अजगर है। अपनी पूंछ की फटकार से ही मुझे अधमरा कर देगा। लेकिन यहां पास में ही चींटियों की एक बांबी हैं। वहां की रानी मेरी मित्र हैं। उससे सहायता मांगनी चाहिए। हिरणी निराश स्वर में विलाप किया 'पर जब तुम्हारे जितना बडा जीव उस अजगर का कुछ बिगाडने में समर्थ नहीं हैं तो वह छोटी–सी चींटी क्या कर लेगी?" नेवले ने कहा ऐसा मत सोचो। उसके पास चींटियों की बहुत बडी सेना हैं।

संगठन में बडी शक्ति होती हैं। हिरणी को कुछ आशा की किरण नजर आई। नेवला हिरणी को लेकर चींटी रानी के पास गया और उसे सारी कहानी सुनाई। चींटी रानी ने सोच–विचार कर कहा हम तुम्हारी सहायता अवश्य करेंगे। हमारी बांबी के पास एक संकरीला नुकीले पत्थरों भरा रास्ता है। तुम किसी तरह उस अजगर को उस रास्ते पर आने के लिए मजबूर करो। बाकी काम मेरी सेना पर छोड़ दो। नेवले को अपनी मित्र चींटी रानी पर पूरा विश्वास था इसलिए वह अपनी जान जोखिम में डालने पर तैयार हो गया। दूसरे दिन नेवला जाकर सांप के बिल के पास अपनी बोली बोलने लगा। अपने शत्रु की बोली सुनते ही अजगर क्रोध में भरकर अपने बिल से बाहर आया। नेवला उसी संकरे रास्ते वाली दिशा में दौड़ाया। अजगर ने पीछा किया। अजगर रुकता तो नेवला मुड़कर फुफकारता और अजगर को गुस्सा दिलाकर फिर पीछा करने पर मजबूर करता।

इसी प्रकार नेवले ने उसे संकरीले रास्ते से गुजरने पर मजबूर कर दिया। नुकीले पत्थरों से उसका शरीर छिलने लगा। जब तक अजगर उस रास्ते से बाहर आया तब तक उसका काफी शरीर छिल गया था और जगह–जगह से खून टपक रहा था। उसी समय चींटियों की सेना ने उस पर हमला कर दिया। चींटियां उसके शरीर पर चढकर छिले स्थानों के नंगे मांस को काटने लगीं। अजगर तडप उठा। अपने शरीर से खुन पटकने लगा जिससे मांस और छिलने लगा और चींटियों को आक्रमण के लिए नए–नए स्थान मिलने लगे। अजगर चींटियों का क्या बिगाडता ? वे हजारों की गिनती में उस पर टूट पढ़ रही थीं। कुछ ही देर में क्रूर अजगर तड़प–तडपकर दम तोड दिया।

मनीष गहलोत
संपादक

'सीख- संगठन शक्ति बड़ं- बड़ों को धूल चटा देती है।

क्योंकि :

संगठन में –'कायदा नहीं, व्यवस्था होती है।'
संगठन में –'सुचना नहीं, समझ होती है।' संगठन में –'कानून नहीं, अनुशासन होता है।'
संगठन में –'भय नहीं, भरोसा होता है।' संगठन में –'शोषण नहीं, पोषण होता है।'
संगठन में –'आग्रह नहीं, आदर होता है।' संगठन में –'संपर्क नहीं, सम्बन्ध होता है।'
संगठन में –'अर्पण नहीं, समर्पण होता है।' संगठन –'सामूहिक हित के लिए होता है।'

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी झंझगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

माली समाज के द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन में 25 जोड़े बंधे विवाह सूत्र में

सामाजिक एकता का किया गया अव्हान

डीडवाना। नगर में सैनी माली विकास समाज की ओर से द्वितीय माली समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन मालीयान सूर्य मंदिर सिंधीवास में आयोजित किया गया। जिसमें कोविड-19 की पालना के तहत 25 जोड़े इस सामूहिक विवाह के साक्षी बने। इस मौके पर कार्यक्रम से पहले परमानंद सैनी छात्रावास गाड़ावास से वर-वधु पक्ष प्रात: 6-30 बजे एकत्रित हो गए। जहां विवाह संबंधित सभी प्रकार की रस्म निभाने के बाद बारात के रूप में विवाह स्थल पहुंची जहां वर-वधु का आयोजन समिति की ओर से पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। माली समाज के सभी 12 वास सहित प्रमुख 22 स्थानों से आयोजन समिति की ओर से बनाई गई अलग-अलग टोलियों द्वारा वर वधु-पक्ष का विधि पूर्वक अभिनंदन किया गया। इस मौके पर राज्य सभा सांसद व पूर्व मंत्री राजेन्द्र गहलोत ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में कहा कि सामाजिक समरसता का विकास तभी होता है जब हम समाज में फैली हुई कुरितियों को जड़मूल से मिटाकर इस प्रकार के सामूहिक आयोजनों को विशाल रूप से करके दहेज रूपी कुप्रथा को समाप्त करते हैं।

इस प्रकार के आयोजनों से समाज में नवीन जागृति का विकास ही नहीं होता बल्कि समाज में एकजुटता दिखाई देती

हैं। शादी विवाहों में अनेक प्रकार के आडम्बर देखने को मिल जाते है मगर इस प्रकार के आयोजनों से फिजूलखर्चा से निजात मिलती हैं और समाज में एकजुट रहने की प्रेरणा भी हमे मिलती हैं। गहलोत ने कहा कि मुझे खुशी है कि समाज द्वारा किया गया द्वितीय प्रयास सार्थक रहा क्योंकि गत वर्ष प्रथम प्रयास में 12 जोड़े शामिल थे और द्वितीय आयोजन में 2 गुना हो गए यह समाज की जागृति का परिणाम हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष रामगोपाल तूनवाल व महामंत्री कैलाश सोलंकी ने बताया कि समाज का द्वितीय प्रयास शत प्रतिशत सार्थक रहा। इस सामूहिक विवाह मे समाज की अनेक प्रतिभाओं ने भाग लिया। इस दौरान पूर्व केन्द्रीय मंत्री सीआर चौधरी, पूर्व मंत्री यूनुस खान, ज्योतिबा फूले संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मांगीलाल पंवार, पंचायत समिति उपप्रधान ओमप्रकाश, मेघवाल समाज के जिलाध्यक्ष बीएल भाटी, पूर्व पालिका अध्यक्ष रामाकिशन माली, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामगोपाल गहलोत, महामंत्री रामाकिशन खीचड़, पुष्पक सैनी सहित अनेक समाजों के लोग भी उपस्थित थे। इस दौरान तुलसी विवाह का आयोजन भी किया गया जिसमें समाज के प्रत्येक लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया, वहीं महिला समिति की ओर से भी महिलाओं द्वारा सामूहिक गीत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनेक लोग भी मौजूद रहे।

अनुकरणीय उदाहरण

दुर्ग निवासी पंकज ने सामूहिक विवाह समारोह में शादी कर समाज के धनाढ्य वर्ग और सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों को दिया संदेश जिनकी कथनी और करनी में होता है फर्क। वर्तमान आधुनिक परिवेश में लोग शादी समारोह में अनेक तामझाम कर हजारों-लाखों रुपए खर्च करते हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ सक्षम लोग ऐसे भी है जो इन सभी दिखावों आडंबरों से बेहद दूर रहकर अपने बेटे-बेटियों की शादी सामूहिक विवाह सम्मेलन में कर के अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। ऐसा ही एक उदाहरण डीडवाना में सम्पन्न माली सैनी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में देखने को मिला। दुर्ग प्रवासी व बगला वास (डीडवाना) निवासी ओमप्रकाश पंवार ने अपने बेटे पंकज की शादी कोलिया निवासी स्व.रामनारायणजी सतरावला की पुत्री सुमन के साथ कर समाज को सामूहिकता का संदेश दिया है। हम सब लोग भी समाज में सामूहिक शादी समारोह को बढ़ावा देकर समाज हित में विशिष्ट कार्य कर सकते है। डीडवाना में सम्पन्न सभी 25 जोड़ो के परिजनों को बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं।

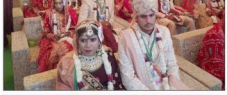

एपीजे अब्दुल कलाम को मानते हैं अपना प्रेरणास्रोत

दिहाड़ी मजदूरी करने वाले का बेटा सोमनाथ माली बना इसरो में साइंटिस्ट

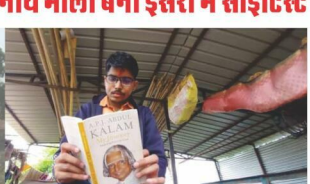

सफलता की कहानियों की शुरुआत आसान नहीं होती है। सफलता के रास्ते में इंसान को कोई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है लेकिन इन मुश्किलों के साथ जो संघर्ष करता है, वही सफल हो पाता है। महाराष्ट्र के रहने वाले सोमनाथ नंदू माली की जिंदगी भी संघर्ष से बड़ी है।

सोमनाथ माली

महाराष्ट्र के शोलापुर जिले के सरकोली गांव के रहने वाले सोमनाथ माली के संघर्ष और मेहनत की कहानी सब को प्रेरित करने वाली है। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा जिला परिषद प्राइमरी स्कूल से पूरी की और ग्यारहवीं की पढ़ाई शास्त्र शाखा से पंढरपुर स्थित केबीपी कश्वलेज से की।

माता पिता हैं मजदूर

सोमनाथ माली के शुरुआत से लेकर इसरो तक का संघर्ष काफी कठिन परिस्थितियों से होकर गुजरा। उनकी पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए उनके माता-पिता ने खेतों में मजदूरी की। उनके माता-पिता की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी इसलिए वे पढ़ाई का खर्च नहीं उठा सकते थे। आर्थिक स्थिति को दूर करने के लिए उनके माता-पिता और भाई ने खेतों में मजदूरी करके पढ़ाई के लिए पैसे जुगाड़ किए।

आईआईटी से पूरी की इंजीनियरिंग

सोमनाथ 12वीं कक्षा में 81 फीसदी अंको से उत्तीर्ण होने के बाद बोटेक करने के लिए मुंबई गए। वहां से उन्होंने आईआईटी दिल्ली के लिए मैकेनिकल डिजाइनर के रूप में चुना गया। उन्होंने गेट परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक हासिल किया। उसके बाद उन्होंने दिल्ली आईआईटी से एमटेक भी किया। कुछ दिनों तक इंफोसिस में नौकरी करने के बाद नवंबर 2019 में इसरो में वरिष्ठ वैज्ञानिक की वैकेंसी के लिए आवेदन किया। उन्हें वहां सफलता मिली और इसरो में सीनियर वैज्ञानिक के तौर पर चुने गए।

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम से हुए प्रेरित

सोमनाथ भारत के मिसाइल मैन के नाम से जाने जाने वाले डॉ एपीजे अब्दुल कलाम से प्रेरित थे। उन्होंने उनकी जीवनी पढ़कर प्रेरणा पाई है। इसरो के चंद्रयान 3, अंतरिक्ष स्टेशन और खास खूबियों वाले रॉकेट जैसे प्रोजेक्ट्स में शामिल होने की इच्छा है।

विमान इंजन के डिजाइन पर कर चुके हैं काम

आईआईटी दिल्ली से मैकेनिकल डिजाइनर में दाखिला लेने के बाद आईआईटी में ही सोमनाथ को विमान के इंजन के डिजाइन पर काम करने का मौका मिला। इस मौके का उन्होंने अच्छे से इस्तेमाल किया और बाद में वे एयरक्राफ्ट इंजन डिजाइन के एक्सपर्ट हो गए।

हमें सोमनाथ माली पर गर्व है। आपने समाज को गौरवान्वित कियाहै। आज की युवा पीढ़ी के लिए आप एक आदर्श रॉल मॉडल है।

माली समाज द्वारा श्री सतीश सैनी (सहायक प्रशासनिक परीक्षा अधिकारी) की अभूतपूर्व सेवाओं के लिए किया सम्मान

माली (सैनी)समाज के द्वारा कलेक्टर कार्यालय मे पहुंच कर समाजसेवी श्री सतीश सैनी (सहायक प्रशासनिक परीक्षा अधिकारी) परीक्षा इंचार्ज का सम्मान व अभिनन्दन किया । इसके अलावा उनके समस्त स्टाफ का भी माला पहनाकर कर सम्मान किया। सतीश सैनी ने जब से परीक्षा इंचार्ज का पद संभाला तब से परीक्षाओ को निर्विवाद सम्पूर्ण करते हुए अभूतपूर्व कार्य किया जिसमें SMS, E-mail, Whatsup, Online,वर्चुअल मीटिंग करके स्कूलों, कालेजों, प्रधानाचार्यों, अध्यापकों, पुलिसकर्मियों, परीक्षा इंचार्जो से जो सम्पर्क व सम्पनवय स्थापित कर परिक्षाओं को सफलतापूर्वक संम्पूर्ण करवाया। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की महत्वपूर्ण (रीट परीक्षा) में गलत कोड के कारण करीब 200 परीक्षार्थियों को एक सेन्टर से दुसरे सेन्टर पर अपने स्तर पर ही गाडियों की व्यवस्था कर गन्तव्य परिक्षा सेंटर पर पहुचाया, उन परीक्षार्थियों को परीक्षा दिलवायी। इसके अलावा फ्लाइंग टीम के लिए नया डेस- कोड चालु करवाया। आपने पद पर रहते परीक्षा चाहे केन्द्र की हो या स्टेट की परिक्षा को बिना किसी विवादों से सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाने के कार्य को पूरी ईमानदारी, निष्ठा, जुझारूपन, लगन से किया गया है जो बहुत ही सराहनीय कार्य है । आपको सम्मानित किए जाने पर हमे बहुत खुशी हुई है और इस सम्मान के लिए अजमेर माली सैनी समाज, माली सेना अजमेर और ज्योतिबा फूले सैनी मालियान एकता समिति ने सतीश सैनी का बहुत- बहुत स्वागत, आभार बधाई और शुभकामनाएं दी। अजमेर कलेक्टर प्रशासन से सिफारिश की गई कि सतीश सैनी को 'राज्य स्तर' पर सम्मानित किया जावे। इस अवसर पर गोपीकिशन जादम, खेमसिंह टांक, कन्हैया लाल चौहान, प्रदीप कच्छवा, हेमेंद्र सिंगोदिया, राजकुमार भाटी, मुकेश अजमेरा,भागचन्द मण्डावरिया, स्वेता चौहान, विकास, हेमंत इत्यादि उपस्थित थे।

ऑल इंडिया माली सैनी सभा द्वारा समाज का परिचय सम्मेलन एवं मिलन समारोह संपन्न

रीवा। ऑल इंडिया सैनी माली सभा रीवा सम्भाग के तहसील मैहर मे प्रदेश महासचिव एवं छत्तीसगढ प्रभारी विनोद माली के अथक प्रयासों और रीवा सम्भाग अध्यक्ष सुशील बढ़ोलिया के मार्गदर्शन में 13 नवंबर 2021 को परिचय सम्मेलन और मिलन समारोह का शानदार आयोजन किया गया।

माली सैनी समाज के गौरव मुख्य अतिथि माननीय रामकिशोर कावरे आयुष एवं जल संसाधन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार, म. प्र.) शासन रहे। अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय जगदीश सैनी ने की एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती कल्पना सैनी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। बच्चियो द्वारा वाणी वन्दना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया साथ ही सम्भाग वरिष्ठ सलाहकार डॉ अशोक बढ़ोलिया द्वारा तबला पर संगत करते हुए उनके पौत्र हिमान्शु बढ़ोलिया द्वारा सरोद वादन की मनोहारी प्रस्तुति कर सबका मन मोह लिया।

कार्यक्रम में 50 से ज्यादा युवक युवतियों का रजिस्ट्रेशन हुआ। इस कार्यक्रम में म.प्र. सहित छ.ग. एवं अन्य सभी सम्भागो, जिलों के पदाधिकारी एवं सामाजिक बन्धु बड़ी संख्या मे शामिल हुए जिनके स्वल्पाहार भोजन एवं ठहरने की शानदार व्यवस्था थी। रामकिशोर कावरे सहित राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महिला प्रदेशाध्यक्षा ने अपने उदबोधन में समाज की एकता की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए समाज हित हेतु तत्पर रहने की बात कही, मंत्री ने अपने भाषण मे माता सावित्री बाई फूले के नाम पर समाज के लिये सामुदायिक भवन एवं शारदा माता मन्दिर में समाज के लोगो के लिये उनकी माँग के आधार पर व्यवस्था देने की बात कही।

इसके बाद मंत्री ने सभी सामाजिक बंधुओं के साथ भोजन भी किया। कार्यक्रम मे रीवा एवं मैहर टीम की सराहनीय भूमिका रही। कार्यक्रम का सफल संचालन सतना जिलाध्यक्ष श्रीमती चारुलेखा बढ़ोलिया ने किया एवं राजेश बढ़ोलिया ने संचालन में सहयोग दिया। इस अवसर पर श्री विजय बढ़ोलिया जी अमलई वाले जो काफी सालों से विवाह ग्रुप चला रहे हैं उनको मंत्री द्वारा सम्मानित कराया गया। इस अवसर पर चूड़ामणी बढ़ोलिया, अशोक कुमार बढ़ोलिया, हनुमतेश अनुरागी, ओम सैनी, कैलाश पंडा, अनिल सैनी, शहर अध्यक्ष रीवा रामजी बढ़ोलिया, जिलाध्यक्ष संजय सैनी सतना जिलाध्यक्ष शुभम माली, रीवा महिला जिलाध्यक्ष अनीता बढ़ोलिया एवं टीम, जिलाध्यक्ष सतना चारुलेखा बढ़ोलिया, कृष्णा विश्वामित्र, सुनीता अनुरागी, रश्मि सैनी, विनीता बढ़ोलिया, रश्मि बढोलिया, रजनी बढ़ोलिया, शहर अध्यक्ष महिला सतना सोलम सैनी, संजीता सैनी पुष्पा बघोलिया, मैहर तहसील अध्यक्ष रामगोपाल, अनिल, विक्रम, दीपक कार्यक्रम प्रभारी उमाशंकर एवं उनकी टीम की उपस्थिति सराहनीय रही।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल महात्मा फूले समता पुरस्कार से सम्मानित

देशभर में महात्मा फूले की 131वीं पुण्यतिथि पर विभिन्न आयोजन के साथ श्रद्धांजलि सभाएं

राजनीतिक आरक्षण लिए बिना चुप नहीं रहेंगे ओबीसी- मंत्री छगन भुजबल

पुणे, मुंबई, नासिक। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के राज्य मंत्री और अखिल भारतीय महात्मा फूले समता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष छगन भुजबल ने कहा कि सरकार को तब तक आरक्षण फिर से शुरू नहीं करना चाहिए जब तक कि जनगणना नहीं हो जाती। उन्होंने इस अवसर पर एक प्रस्ताव भी पारित किया कि ओबीसी की जनगणना की जानी चाहिए।

अखिल भारतीय महात्मा फूले समता परिषद की ओर से महात्मा फूले पुण्यतिथि के दिन अखिल भारतीय महात्मा फूले समता परिषद छगन भुजबल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश को समता पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार में 1 लाख रुपये, फूल पगड़ी, मानद शॉल और स्मृति चिन्ह शामिल हैं

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर, मध्य प्रदेश सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा, पूर्व मंत्री बालासाहेब शिवरकर, पूर्व विधायक पंकज भुजबल, कमलताई ढोले पाटिल, जयदेव गायकवाड़, दीप्ति चौधरी, बापूसाहेब भुजबल, प्रो. हरि नारके, एनसीपी ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ईश्वर बलबुधे , मंजरी धागे, मनीषा लडकट के साथ एनसीपी सिटी अध्यक्ष प्रशांत जगताप, सुनील सरदार, डॉ रत्नाकर लाल, पुणे मंडल अध्यक्ष प्रीतेश गवली, प्रो दिवाकर गेम, अधिवक्ता सुभाष रातत, पुणे शहर अध्यक्ष पंढरीनाथ बांकर, वेणुवी सातव, अविनाश चौरे एवं समता सैनिक उपस्थित थे।

इस मौके पर मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में बहुजन समाज के नेता भूपेश बघेल मुख्यमंत्री के पद पर कार्यरत हैं. इसलिए जनता के लिए लड़ने वालों को हमेशा बेहद गरीबों के काम के लिए याद किया जाएगा, इसलिए अपना नेतृत्व खुद बनाएं। उन्होंने आगे कहा कि फूले, शाहू और अंबेडकर की वजह से उन्हें आरक्षण मिला है. हमें उन लोगों को नहीं भूलना चाहिए जिन्होंने हम सभी के लिए न्याय के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन्होंने अपील की कि हर जगह महात्मा फूले और सावित्रीबाई की प्रतिमाएं लगाई जाएं और छत्रपति साहू और डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही फूले, साहू, अंबेडकर का नाम से चौराहो, सड़कों और कॉलोनियों के साथ शिक्षण संस्थाओं का अधिक से अधिक होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय महात्मा फूले समता परिषद पूरे देश में काम कर रही है और आरक्षण की लड़ाई पूरे देश में लड़ी जा रही है. सावित्री बाई फूले पुणे विश्वविद्यालय में सावित्रीबाई की एक पूर्ण आकार की प्रतिमा स्थापित की जा रही है और यह प्रतिमा 3 जनवरी को विश्वविद्यालय में स्थापित की जाएगी।

साथ ही महात्मा फूले वाडा और सावित्रीबाई फूले की समाधि को एक साथ जोड़ा जाएगा और भिड़ेवाड़ा में सावित्रीबाई फूले प्रथम बालिका विद्यालय शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मूर्तियों लगाने के अलावा, उनके विचार के कार्यों को वास्तव में खड़ा करके उनके लिए एक वास्तविक स्मारक बनाया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि महात्मा फूले और क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फूले ने इसी भावना से समाज सुधार के कार्य की शुरुआत की थी. समाज के वंचित और शोषित वर्गों को न्याय दिलाने के लिए सब कुछ किया गया। उन्होंने समाज में महिलाओं को सम्मान देने महल के इस कूएं के पानी ने समाज के वंचित वर्गों की प्यास बुझाई, जिससे सामाजिक क्रांति हुई। उन्होंने कहा कि वह समाज सुधारकों की इस भूमि को श्रद्धांजलि देते हैं।

उन्होंने कहा कि 63 साल के महात्मा फूले ने सामाजिक क्रांति के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने जो ज्योति जलाई वह आज भी जल रही है। महात्मा फूले का जोशीला क्रांतिकारी जीवन था। उन्होंने समाज के वंचित और उत्पीड़ित वर्गों की समस्याओं को बिना किसी समस्या से पीछे हटे हल किया। उन्होंने अंधविश्वास के विनाश में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

शोषित समुदाय ने देश में साढ़े तीन हजार साल काम किया। परिणामस्वरूप, विश्व के आर्थिक उत्पादन में भारत का योगदान 23 प्रतिशत था। इसलिए भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। अंग्रेजों के आने पर चीजें बदल गईं। उस समय महात्मा ज्योत ने समता की ज्योति प्रज्ज्वलित की थी। उन्होंने किसानों के हितों के लिए लड़ाई लड़ी और उन्हें न्याय दिलाया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य महात्मा फूले के उन्हीं विचारों पर काम कर रहा है और किसानों के हित में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि सत्य की खोज करने वाले समाज की स्थापना कर उन्होंने शिक्षा के माध्यम से सत्य पर जोर दिया और अंधविश्वास को मिटाने का प्रयास किया। महात्मा फूले के विचार और बाद में प्रयोग के माध्यम से महात्मा गांधी के सत्य। महात्मा फूले के विचारों को महात्मा गांधी ने आगे बढ़ाया। इसके बाद डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर ने आपको यह विचार संविधान के माध्यम से दिया था।

महात्मा फूले सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे जबकि महात्मा गांधी राजनीतिक सामाजिक सुधार के अग्रदूत थे। उन्होंने कहा, महात्मा फूले और महात्मा गांधी के समय में जो समस्याएं पैदा हुई थीं, वे आज फिर से उभर आई हैं और हमें उनके खिलाफ लड़ना होगा।

इस अवसर पर प्रो. हरि नारके ने कहा कि महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर ने महात्मा फूले को श्रद्धांजलि दी थी। देश में जातिवादी धर्म शास्त्रियों

की शक्ति बढ़ रही है और इससे हमें महात्मा फूले, महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू और डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के विचारों को बचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने देश में ओबीसी के राजनीतिक आरक्षण को खतरा पैदा कर दिया है। आरक्षण बचाने के लिए मंत्री छगन भुजबल विशेष प्रयास कर रहे हैं. छत्तीसगढ़ में भी ओबीसी के अधिकारों के लिए पहली बार मुख्यमंत्री बघेल के नेतृत्व में जनगणना हो रही है। महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर और राकांपा ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ईश्वर बलबुधे ने भी इस अवसर पर अपना उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन भाषण बापू भुजबल ने दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. डॉ. नागेश गवली ने किया और धन्यवाद प्रस्ताव प्रीतेश गवली ने दिया।

मंदसोर। महान समाजसुधारक दलितों वंचितों के लिए आवाज उठाने वाले नारी शिक्षा के अग्रदूत राष्ट्रपिता महात्मा ज्योति बा फूले की पुण्यतिथि पर मनोहर माली राष्ट्रीय फूले ब्रिगेड प्रदेश संगठन मंत्री के नेतृत्व में फूले चौराहे को पुष्प मालाओ से आकर्षक साज सज्जा कर समाज के वरिष्ठ जनों व युवा साथियों के साथ महात्मा ज्योति बा फूले की प्रतिमा पर माल्यार्पण धूप दीप कर बालक बालिकाओं एवं समाज जनों को फल फूल वितरित कर महात्मा ज्योति बा फूले अमर रहे नारो के साथ मनाई गई इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ कचरमल राठौर पूर्व नगरपरिषद अध्यक्ष रामलाल राठौर, धीसालाल उणीयारा, नरेश सैनी, ओमप्रकाश गहलोत, भूपेंद्र महावर, महेश देवड़ा, चंद्रप्रकाश देवड़ा, गोपाल महावर, महेश सोलंकी, विजय सोलंकी, शांतिलाल उणियारा, पन्नालाल माली आदि समाज जन उपस्थित रहे।

सामाजिक क्रांति के पिता महा महिला शिक्षक के जनक माली समाज के पिऱ पुरुष महात्मा ज्योतिबा राव फूले की मूर्ति पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया एवं जय ज्योति जय क्रांति के नारे लगाए गए स फूल माली समाज की महिला प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कल्पना सैनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज में क्रांति हम सबको मिलकर एकजुट होकर के लाना है, इस परिवर्तन के दौर में हमें मानसिक रूप से भी शिक्षित होना है और अपनी मानसिकता में परिवर्तन लाना है शिक्षित और सुरक्षित हो बालिका पर जोर देते हुए उन्होंने अपने विचार रखें कार्यक्रम का संचालन श्रीमती पुनम जितेंद्र सैनी ने किए दीपक सैनी ने महात्मा महात्मा फूले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर फूले दंपत्ति के किए हुई योगदान पर प्रकाश डालते हुए हम सभी सभासदों को अवगत कराया आभार प्रदर्शन जगदीश माली ने किया कार्यक्रम में श्रीमती भारती बडोलिया, श्रीमती बीना बडोलिया, श्रीमती पूनम सैनी, श्रीमती राखी सैनी, जगदीश सैनी, जितेंद्र सैनी, श्रीमती किरण, धर्मेंद्र, सरिता कनीजिया, वैभव उपस्थित रहे

झुंझनूं। महात्मा ज्योतिबा फूले की 131 वीं पुण्यतिथि समारोह पूर्वक मनाई गई। महात्मा फूले के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि के साथ राजस्थान विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित पुष्पांजलि सभा के मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य अनिता सैनी थी। अध्यक्षता विद्यालय निदेशक तथा महात्मा ज्योतिबा फूले विचार मंच के संरक्षक शिक्षाविद् महेन्द्र शास्त्री ने की। प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश सैनी विशिष्ट अतिथि थे। मुख्य अतिथि ने अपने उदबोधन में कहा कि महात्मा फूले ने जीवन पर्यन्त दलितों, शोषितों तथा निराश्रितों के उद्धार के लिए कार्य किया। तत्कालीन भारतीय समाज में प्रचलित रूढ़ियों तथा गलत परम्पराओं का जमकर विरोध किया। मंच के कोषाध्यक्ष राधेश्याम सैनी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए फूले की जीवनी पर प्रकाश डाला। पुष्पांजलि सभा के बाद एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बोलते हुए महेन्द्र शास्त्री ने कहा कि फूले के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। फूले ने विकट परिस्थितियों में शिक्षा की अलख जगाते हुए विशेष रूप से महिला शिक्षा के लिए अनेक विद्यालयों की स्थापना करके वंचित और शूद्र समाज को शिक्षा प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। विचार गोष्ठी में अध्यापिका चन्द्रिका, दुर्गादत्त सैनी, ओमप्रकाश चान्दोलिया,पूर्व पार्षद महेश सैनी, नरेश सैनी, कृष्ण सैनी, महेन्द्र टेलर, बुधराम सैनी, वीरू, शिवानी सैनी, मनोज सैनी ने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने महात्मा ज्योतिबा फूले को भारत रत्न देने की मांग अपने उद्बोधन में की। मीडिया प्रभारी नरेश अशोकनगर ने आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया।

सारंगपुर। फूल माली समाज के तत्वाधान में रविवार को 19वीं सदी के महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले की 121 वी पुण्यतिथि मनाई गई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएमओ विनोद कुमार गिरजे तथा फूलमाली समाज अध्यक्ष श्रीम पुष्पद सहित अन्य सभी समाज जनों द्वारा बस स्टैंड स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया इस दौरान माली समाज अध्यक्ष श्री पुष्पद ने बताया कि महात्मा ज्योतिबा फूले का जन्म जरूर माली समाज में हुआ लेकिन उन्होंने हर समाज के दबे कुचले दलित पिछड़े शोषित सहित अन्य लोगों के उत्थान के लिए काम किए हैं। उन्होंने भारतीय समाज में फैली अनेक कुरूतियों को दूर करने के लिए सतत संघर्ष किया। छुआ छूत, नारी-शिक्षा, विधवा विवाह और किसानो के हित के लिए ज्योतिबा ने उल्लेखनीय कार्य किया है। ऐसे महापुरुष की पुण्यतिथि मनाना तभी सार्थक होगा, जब तक देश का बच्चा-बच्चा जाति-पांति के बन्धनों से मुक्त नहीं हो पाता, साथ ही देश की मां, बहन, बेटियांह समाज के प्रत्येक क्षेत्र में समानता का अधिकार नहीं पा लेतीं। कार्यक्रम के दौरान समाज द्वारा नपा सीएमओ विनोद गिरजे लेखापाल मांगीलाल पुष्पद इंजीनियर गोकुल पुष्पद राजकुमार गिरजे सहित अन्य नपा कर्मियों का साफा बांधकर तथा फूल माला पहनाकर सम्मान किया गया इस दौरान मुकेरवाडी पंचायत अध्यक्ष शिवनारायण पुष्पदह किडी पंचायत अध्यक्ष प्रेमनारायण पुष्पद बागकुआ टंकी पंचायत अध्यक्ष कैलाश वर्मा भेर दरवाजा पंचायत अध्यक्ष हीरालाल पुष्पद फूल माली सोशल ग्रुप प्रदेश व्यवस्था प्रमुख मनोज पुष्पद समाज सचिव वैभव पुष्पद पूर्व पार्षद रामचरण पुष्पद शिवनारायण पुष्पद रमेश पुष्पद कंपू ओम पुष्पद राधिका मोती लाल माली बाबूलाल पुष्पद राजेश पुष्पद दिनेश पटेल बंशीलाल पुष्पद रामनारायण पुष्पद मांगीलाल टेलर भैरूलाल बिजवा केएल मेवाड़ा शांतारम पुष्पद सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

पुष्कर। महात्मा ज्योतिबा फूले की 131वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मालियान मंदिर पुष्कर में सभी समाज बंधुओं द्वारा श्रद्धांजलि व पुष्पांजलि की गई। ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के राष्ट्रीय महासचिव तारांचद गहलोत ने संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा ज्योति राव एक भारतीय समाज सुधारक, समाज प्रबोधक, विचारक, समाजसेवी, लेखक, दार्शनिक तथा क्रान्तिकारी कार्यकर्ता थे।

अखिल भारतीय माली सैनी सेवा सदन के कार्यकारी अध्यक्ष बाबूलाल दगदी ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने विधवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए बहुत काम किया, इसके साथ ही किसानों की हालत सुधारने और उनके कल्याण के लिए भी काफी प्रयास किये। स्त्रियों की दशा सुधारने और उनकी शिक्षा के लिए फूले ने 1848 में एक स्कूल खोला। ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के युवा अध्यक्ष अजय सैनी ने कहा कि महात्मा फूले के विचार आज भी प्रासंगिक है। गरीबों और निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए ज्योतिबा ने सत्यशोधक समाज स्थापित किया। उनकी समाज सेवा से प्रभावित होकर 1888 में मुंबई की एक सभा में उन्हें महात्मा की उपाधि से नवाजा गया। इस अवसर पर मालियान नवयुवक मंडल के अध्यक्ष टीकम चौहान, महात्मा ज्योतिबा फूले राष्ट्रीय जागृति मंच के तहसील अध्यक्ष सूरज दगदी,भाजपा मंडल अध्यक्ष पुष्कर नारायण भाटी, नगरपालिका पुष्कर के पार्षद धीरज जादम, भागचंद दगदी, रूपचंद मारोठिया, सत्यनारायण भाटी, सुखदेव मारोठिया, पुखराज दग्दी, जगदीश कुर्डिया, दामोदर मुखिया, विकास मुखिया, रविंदर नागौरा, सागर गुरावा, पूनमचंद गुरावा, अमन पाटोदिया, नन्द् कुवाल, खेमचंद उवाणा, पवन टाँक, राहुल उवाणा, गोपाल भाटी सहित पुष्कर क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

बूंदी। महात्मा ज्योतिबा फूले की 131 वी पुण्यतिथि पर आज बूंदी जिले के कई स्थानों पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए फूले ब्रिगेड के जिला प्रभारी नन्दलाल सैनी ने बताया कि आजाद पार्क के सामने बाहरली बूंदी में पुष्पांजलि कार्यक्रम में सर्वप्रथम संगठन के जिला उपाध्यक्ष देवी शंकर सैनी तथा कोषाध्यक्ष सुनील सैनी ने ज्योति राव फूले को माल्यार्पण किया इसके बाद सभी कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की इस दौरान महिला विंग की जिला प्रभारी मधुबाला सैनी, जिला अध्यक्ष पूजा सैनी, जिला महासचिव कोशल्या सुमन, जिला महासचिव हर्षा सुमन, पार्वतीबाई, रुकमणि सैनी, विजेंद्र सैनी दीपक सैनी आदि मौजूद थे, फूले ब्रिगेड के जिला प्रभारी नंदलाल सैनी ने उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय फूले ब्रिगेड की ओर से तलवास में भी पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें तहसील अध्यक्ष मुकेश सैनी, कुलदीप सुमन, प्रेम शंकर सैनी, सीताराम सैनी, भैरू लाल सैनी, कैलाश सैनी, किशन सैनी, गणेश सैनी, श्याम सैनी, रामस्वरूप सैनी, रामकिशन सैनी, चित्र लाल सैनी ,मुकेश सैनी रमाकांत सैनी,बिट्टू सैनी, हेमराज सैनी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे

कोटा। समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले जी की 131वी पुण्यतिथि किशोरपुरा माली समाज मंदिर राष्ट्रीय फूले ब्रिगेड कोटा जिला कार्यकारिणी एवं युवा जागृति मंच के तत्वाधान मे उत्साह पूर्वक, महात्मा ज्योतिबा फूले की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि दी। दशहरा मैदान नहर के किनारे माली समाज कोटा मंदिर पर समाज बंधु, सामाजिक सेवा कार्य में तत्पर मेरे सभी मित्र समस्त पदाधिकारीयो सभी ने अपना अमूल्य समय निकालकर श्रद्धांजलि दी। युवा जागृति मंच के अध्यक्ष मुकेश बघेल, सुनील गहलोत, बी. एल .सैनी, राष्ट्रीय फूले ब्रिगेड के वरिष्ठ सलाहकार नाथू लाल पहलवान, जिला प्रभारी भवानी शंकर सैनी, जिला अध्यक्ष राजू सुमन, संतोष गहलोत, सुरेश सैनी, जगदीश सुमन, पुरुषोत्तम अजमेरा, राम किशन बाड़ोलिया, महेश सुमन एवं समस्त कोटा माली समाज ने उपस्थित रह कर पुण्यतिथि पर अश्रुपूर्व श्रद्धांजलि दी एवं समाज के नवयुवकों का उत्साहवर्धन किया।

दिल्ली। मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र में महात्मा ज्योतिबा फूले की पुण्यतिथि मनाई गई सुशील सैनी दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सैनी महापंचायत संगठन एवं सर्व समाज संगठन की ओर से महात्मा जी को पुष्पांजलि अर्पित की गई एवं ज्योति प्रज्वलित की गई है मंच संचालन डॉ राम अवतार सैनी ने किया और कार्यभार की कार्रवाई एडवोकेट अनुराग एवं डॉ जय भगवान सैनी ने की। यह प्रोग्राम सैनी भवन सावित्रीबाज्योति फूले भवन में हुआ प्रोग्राम में सभी गणमान्य व्यक्ति ने अपने विचार रखे और बच्चों के लिए एक ड्राइंग प्रतियोगिता रखी गई जिसमें बच्चों को आकर्षक उपहार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया गया जहां पर ब्लड डोनेट करने वालों की काफी ज्यादा संख्या थी । सुशील सैनी दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने सभी का धन्यवाद करते हुए आगे भी अपने आदर्शों को सम्मानित करने के लिए सबका सहयोग लेने की बात कही।

अजमेर : अखिल भारतीय महात्मा फूले समता परिषद, अजमेर के तत्वावधान मे यह कार्यक्रम हुआ। आज सुबह-सुबह की हल्की गुलाबी ठंड पडने के बावजूद सभी समाजबंधुओं, पार्टियों के नेताओं का सर्किल पर पहुचने का तांता लगा रहा। सर्किल पर उपस्थित जनसमूह ने जोश व उत्साह के साथ नारे लगायें। वहां उपस्थित जनसमूह ने महात्मा ज्योतिबा फूले के बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया तथा उनके आदर्शों व शिक्षा को अपने जीवन मे उतारने का प्रण लिया। महात्मा ज्योतिबा फूले ने शिक्षा पर जोर

दिया। सबसे पहले अपने घर से शुरुआत की । अपनी पत्नी को पढ़ाया और पूणे मे पहला महिला विधालय की स्थापना की। बेटी पढाओ-बेटी बचाओ पर आज सरकारें बडे जोर शोर से कल्याणकारी योजनाएं बना रही हैं लेकिन इस कार्य का बीडा महात्मा ज्योतिबा फूले ने 18 वीं शताब्दी मे शुरू कर दिया था। अजमेर क्लब स्थित सर्किल पर उपस्थित जनसमूह ने एक सुर मे फूले दम्पति को भारत रत्न से सम्मानित करने की वर्षों पुरानी मांग भारत सरकार से पुरजोर तरीके से उठाई।

पुष्पांजलि व माल्यार्पण के अवसर पर पुनम चन्द्र मारोठिया, त्रिलोक चन्द इंदोरा, पूर्व मेयर धर्मेन्द्र गहलोत, विधायक अनिता भदेल, उप मेयर नीरज जैन, महेश चौहान, नवीन कच्छवाह, मनीष मारोठिया, महेंद्र जादम, नरेंद्र तुनवाल, संतोष मौर्य,सुनिता चौहान, प्रदीप कच्छवाह, डा.जितेंद्र मारोठिया, संदीप तंवर, धर्मेन्द टांक, चन्द्र शेखर मौर्य, हेमेन्द्र सिगोदिया, रवि डबाणा, हेमराज सिसोदिया,खोरसिंह डलवाल, शैलेन्द्र महावर, रवि कच्छवाह, राजकुमार भाटी, नवनीत सैनी, माखन मारोठिया, गोपीकिशन जादम, छगनलाल जादम, भागचंद सांखला, आकांश तंवर, शंकर टांक, विजय मौर्य, रोशन उपस्थित थे।

जोधपुर। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फूले के विचार और दर्शन आज भी प्रासंगिक है। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही पिछड़े वर्ग का उत्थान संभव है। महात्मा फूले की 131वीं पुण्यतिथि के मौके पर महामंदिर स्थित महात्मा फूले पार्क व स्मारक स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर जेडीए के पूर्व चैयरमेन राजेन्द्र सोलंकी, नगर निगम उत्तर महापौर कुंती परिहार, दक्षिण महापौर वनिता सेठ, राजसीको चैयरमैन सुनील परिहार, माली संस्थान अध्यक्ष प्रेमसिंह परिहार, वरिष्ठ समाजसेवी नरेन्द्र कच्छवाहा, शिक्षाविद् प्रो. श्यामसिंह टाक, नवजीवन संस्थान के प्रभारी राजेन्द्र परिहार सहित अनेकों प्रबुद्धजनों ने महात्मा फूले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके बताएं मार्ग पर चलने की बात कही। माली सैनी समाज सेवा संस्थान के अध्यक्ष मनीष गहलोत, अर्जुन सिंह गहलोत, ज्योति बा फूले राष्ट्रीय संस्थान की अध्यक्षा प्रेमलता परिहार, महासचिव साहिबराम गहलोत, जयंत सांखला, पार्थ अरविंद गहलोत, शैलजा गहलोत, महेश गहलोत, राजेन्द्र सिंह टाक के अलावा माली संस्थान के मंत्री नरेन्द्र सिंह पटवारी, कोषाध्यक्ष धर्मसिंह गहलोत एवं चेतनप्रकाश नवल, श्रवण सांखला, मनोहर सिंह सांखला सहित अनेकों समाज के पदाधिकारियों ने महात्मा फूले को श्रद्धांजलि अर्पित की।

जन्मदिवस विशेष

7 नवम्बर, 2021

कर्मठ वरिष्ठ समाजसेवी-राजनेता

श्री राजेन्द्र गहलोत

राज्यसभा सांसद, पूर्व मंत्री (राजस्थान सरकार)

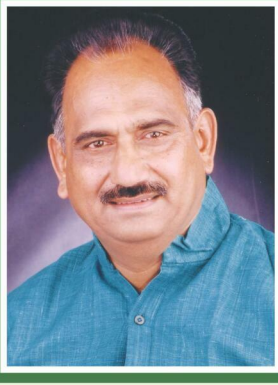

माली सैनी समाज में जन्में श्री राजेन्द्र गहलोत का जन्म 07.11.1946 को श्री बालकृष्ण जी गहलोत के यहां जोधपुर में हुआ। आपकी शिक्षा जोधपुर में हुई तथा 1973 में बी.ए. किया। आपका विवाह 1979 में विमला देवी पुत्री श्री भंवरलाल जी पंवार नागोर निवासी के साथ हुआ। श्री भंवरलाल नागोर के प्रसिद्ध नेता हैं। आप के एक पुत्र रवि व पुत्री सुमन है।

विद्यार्थी जीवन से ही गहलोत के हृदय में देश भक्ति कूट-कूट कर भरी हुई थी। देश में आपात स्थिति 1977 में लगी, तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्द्रा गांधी ने आपात स्थिति के दौरान कई निर्दोष लोगों को भी नही छोड़ा। श्री गहलोत अत्याचारों के विरूद्ध उठ खड़े हुए तो उन्हें भी जेल में डाल दिया गया। उन पर अमानवीय जुल्म किये गये, मगर उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। आप 19 मास तक निरन्तर काल कोठरी में रहने के बाद जब मुक्त हुए तो यातनाओं से लड़ने की क्षमता दुगुनी हो गई। यहीं से वे राजनीति में अधिक धीर-गंभीर होकर आगे बढ़े। आप सरदारपुरा विधानसभा से दो बार विधायक निर्वाचित हुए तथा राजस्थान के सूचना एवं जनसम्पर्क तथा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी राज्य मंत्री भी रहे।

हम पिछले 20 वर्षों के उनके कार्यों पर दृष्टि डाले तो देखते है कि इन्दिरा गांधी लिफ्ट केनाल के जरिये हिमालय का जल जोधपुर तक पहुचांने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही हैं। एक जागरूक सक्रिय एवं उत्तरदायी जन प्रतिनिधि के नाते श्री गहलोत ने जोधपुर की जन भावनाओं का सदैव सम्मान करते हुए यहाँ की समस्याओं को समय-समय पर विधानसभा में प्रखर वक्ता के रूप में उठाया है। आपने 1990 से 1992 तक ढाई वर्षों में विधायक कार्यकाल में और फिर राष्ट्रपति शासन के दौरान व 1993 में दुबारा विधायक निर्वाचित होने से लेकर जन सम्पर्क एव जनस्वास्थ्य अभियान्त्रिकी राज्य मन्त्री पद ग्रहण करने के बाद भी सक्रिय रूप से विकास के कार्य करवाये, जोधपुर विश्वविद्यालय का नाम लोकनायक जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय रखने में और पूर्णकालिक कुलपति की नियुक्ति कराने जैसे बिन्दुओं पर सरकार का ध्यान निरंतर आकर्षित किया।

आपने पिछड़े वर्गों को जाति प्रमाण पत्र देने की प्रक्रिया का सरलीकरण कराने तथा शिक्षा के क्षेत्र में आरक्षण प्रदान करने में, चिकित्सा के क्षेत्र आदि में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। पावटा डिस्पेन्सरी को सेटेलाईट अस्पताल में क्रमोन्नत करवाया गया। बी.जे.एस., लक्ष्मीनगर और डिगाड़ी कॉलोनी में अस्पताल स्वीकृत करवाये। श्री राजेन्द्र गहलोत ने राजस्थान प्रदेश के लिए सामान्यत: तथा जोधपुर क्षेत्र को विशेषत: अपनी सार्वजनिक सेवाएँ दी व युवा पीढ़ी के लिए अत्यन्त प्रेरणाप्रद है।

2 वर्षों से जोधपुर नगर सुधार न्यास के अध्यक्ष के रूप में जोधपुर में विकास एवं सौदर्यकरण के नये आयाम आपके ही मार्गदर्शन में हुआ है जिसमें विशेष है गौरव पथ, कायलाना रोड़, पाली रोड़, भदवासिया रोड़, माता का थान स्थित मंदिर एवं छात्रावास तथा चेनपुरा में श्री अमृतलाल गहलोत स्टेडियम के लिए किये गये कार्य हमेशा याद रहेगें। आपकी कार्यकुशलता एवं कर्मठता के चलते आपको राज्यसभा का सांसद मनोनित किया गया है। आप जनसेवा एवं समाज के सभी वर्गों के कल्याण हेतु नई दिल्ली में सांसद के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे है।

इसके साथ ही आपने नागौर के अमरापुरा में माली सैनी समाज के संत शिरोमणी संत श्री लिखमीदास जी महाराज के समाधि स्थल पर भव्य स्मारक एवं मंदिर के साथ समाज के सभी वर्गों के लिए भव्य ईमारत का निर्माण कराया है। सामाजिक समरसता के लिए एक अति सुंदर मंदिर, धर्मशाला आदि का निर्माण करा सामाजिक एकता एवं सुदृढ़ समाज की स्थापना के लिए आप दिन रात प्रयासरत है।

हम आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दिर्घायु जीवन की ईश्वर से प्रार्थना करते है।

ग्रामीण क्षेत्रों में विपरीत परिस्थितियों में महिलाओं के उत्थान हेतु कार्य कर माता सावित्री के सपनों को पूरा करती

प्रिया सैनी की दास्तां क्राइम सिटी को आर्ट सिटी में बदला, महिलाओं को मुहैया करा रहीं मुफ्त सेनेटरी नेपकिन

मुजफ्फरनगर। कोई बदलाव तब आता है जब आपको समस्या मालूम होती है। मुझ तक समस्याएं पहुंचाई अखबार ने। गांव की एक लड़की के लिए अखबार पढ़ना किसी प्रिविलेज से कम नहीं। अव्वल परिवारों में सुबह का वक्त लड़कियों के लिए किचन में सिमटकर रह जाने का होता है, लेकिन मैं सुबह स्कूल जाने से पहले अखबार जरूर पढ़ती। घर में 2004 से अखबार आ रहा है और जबसे मैंने होश संभाला तबसे अखबार पढ़ रही हूं। कहने को पांच से 10 रुपए का अखबार किसी के लिए रद्दी तो किसी के लिए आउटडेटेड मीडियम, लेकिन मेरे लिए किस्मत का दरवाजा खोलने वाला बना। इसी से मुझे जानकारी मिली और मेरी किस्मत बदली। अब सरकारी संगठन भी मुझे बतौर वक्ता आमंत्रित करते हैं और नाम के बाद समाजसेविका लगाते हैं। ये शब्द हैं मुजफ्फरनगर की प्रिया सैनी के।

23 साल की प्रिया सैनी बातचीत में कहती हैं, 'मैं स्कूल के समय से अखबार पढ़ती आ रही हूं। इसका हर पन्ना मुझे कुछ नया ज्ञान देता है। इसी से मुझे मेरे बघरा क्षेत्र के बारे में मालूम होता है। इसी अखबार से मालूम होता है कि मेरे गांव मुरादपुरा में महिलाओं, बच्चों की स्थिति दयनीय है। मुजफ्फरनगर क्राइम सिटी के नाम से जाना जाता है। नशा चरम पर है। यह सिटी पानी के मामले में डार्क जोन में है। अपने क्षेत्र के बारे में यह जानकारी मालूम होती है तो लोगों की मदद कर पाती हूं।'

पहली बार जीते 25 हजार रुपए

घर में पिता जी और बाकी लोग भी अखबार पढ़ने में दिलचस्पी रखते हैं, लेकिन मुझे मेरा ज्ञान केवल अखबार के पन्नों में सहेजकर नहीं रखना था उसे लोगों तक पहुंचाना था। 2015 में अखबार से ही एक प्रतियोगिता के बारे में मालूम हुआ और राष्ट्रीय स्तर की भाषण प्रतियोगिता में पहुंच गई। ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान मिला। फिर राज्य स्तर पर गई और पहली बार मुजफ्फरनगर के मुरादपुरा गांव से निकलकर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंची, जहां भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया और 25 हजार रुपए जीते। ये सबकुछ परिवार के सपोर्ट से कर पाई, क्योंकि अखबार पढ़ने की आदत मुझे घर से पड़ी। ये मेरी जिंदगी की पहली कमाई थी जिसे बटुए में ऐसे सहेजकर रखा जैसे मां मेरी शादी के लिए गहने संजोती है। इस अमाउंट को जीतने के बाद पूरे गांव की हिरोइन बन गई। जो लोग पिता जी को ताने मारते थे 'बेटी को सिर पर चढ़ा लिया है। उसे उसकी हद में रखो वही लोग अपनी बेटियों को मेरे पास लेकर आते। अब मैं उनकी बेटियों के लिए आदर्श थी। एक गांव में किसी लड़की का एमए तक पढ़ लेना ही बहुत बड़ी बात होती है। फिर मैंने तो इनाम जीतने और अपनी भाषण कला को दिखाकर रकम जीती। ये पहली कामयाबी थी। अब गांव में लड़कियों के पेरेंट्स कहते हैं कि प्रिया जैसा बनो।'

मुजफ्फरनगर को आर्ट सिटी बनाने का है लक्ष्य

दूसरी कामयाबी भी बाहें फैलाएं खड़ी थी। 2016 में चौधरी चरणजीत सिंह विश्वविद्यालय से बीए खत्म किया और यूनिवर्सिटी टॉपर बन गई। अब मेरी और मेरे परिवार की खुशी की कोई सीमा नहीं थी। बचपन से आर्टवर्क में दिलचस्पी थी। कॉलेज के दौरान ही दीवारों पर पेंटिंग बनाने का काम किया। हमारे कॉलेज के साथ-साथ कई और कॉलेज शामिल हुए। हमारा उद्देश्य था मुजफ्फरनगर को क्राइम सिटी से आर्ट सिटी में बदलना। उस समय हर दीवार ऐसे सजी थी जैसे दिवाली पर अयोध्या। इन दीवारों पर घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या, नशा जैसे ज्वलंत मुद्दों पर अवेयरनेस के रंग रंगे।

महिलाओं के पास नहीं होते सेनेटरी नेपकिन खरीदने के पैसे

जबसे अखबार पढ़ना शुरू किया तबसे एक सोशल वर्कर मेरे भीतर पलना शुरू हुआ। जब बड़ी हुई तो ये सोशल वर्कर बाहर निकला और महिलाओं की मदद करने उनके दरवाजे पर पहुंच गया। कॉलेज में भी कई मुद्दों पर डिबेट करती रहती थी। 2016 के बाद दो साल पूरे पढ़ाई पर दिए और ये मेहनत भी रंग लाई और इस बार फिर यूनिवर्सिटी टॉप किया। 2019 में राष्ट्रीय युवा महोत्सव में गई। ये जानकारी सोशल मीडिया से मिली। मूर्ति कला में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए मैं उस महोत्सव में गई।

इस जगह मेरी मुलाकात प्रतिष्ठा युवा संगठन के मोहित से हुई। इन्हें मैंने अपने काम के बारे में बताया और भैया (मोहित) ने मेरा मार्गदर्शन किया और बताया कि मुझे लड़कियों की एक टीम बनानी चाहिए जो पूरे मुज्जफरनगर में महिला सशक्तिकरण की मशाल बनें। मेरे क्षेत्र में पेड़ बहुत हैं और इतनी ही महिलाओं की समस्याएं। उस महोत्सव से आने के बाद मैंने वृक्षारोपण नहीं महिलाओं को मुफ्त सेनेटरी नेपकिन बांटने शुरू किए। इस काम को इसलिए चुना क्योंकि पीरियड से हर महिला हर महीने जूझती है, लेकिन हाइजीन के नाम पर इनको कोई सुविधा नहीं मिलती। उन्हें सेनिटरी नेपकिन के बारे में मालूम है, लेकिन उसे खरीदने के लिए पैसे नहीं। मैंने मुजफ्फरनगर की महिलाओं को बहुत नजदीक से देखा है। उन्हें महीने में मात्र 100 रुपए मिलते हैं, जिनमें वे अपनी मूलभूत जरूरतें तक पूरी नहीं कर पातीं।

ऐसे में नेपकिन खरीदना तो और मुश्किल होता है।

मुफ्त में बांटें सेनेटरी नेपकिन

पहली बार आशा वर्कर के साथ मिलकर घर-घर जाकर मुफ्त में सेनिटरी नेपकिन बांटें। जब पहली बार महिलाओं के हाथ में सेनिटरी नेपकिन आए तो उसे लेने में वे झिझक रहीं थीं। सभी का एक ही जवाब था ये सेनिटरी नेपकिन आज दे रही हो पर पीरियड्स तो हर महीने आते हैं, क्या ये हर महीने मिलेंगे तब मैंने उन्हें बताया कि पीएम जन औषधि केंद्र पर ये नेपकिन 4 रुपए का मिल जता है आप चार रुपए तो हर महीने खर्च कर सकती हैं। महिलाओं को भी हाइजीन समझ आता है लेकिन क्योंकि उनके पास सूचना ही नहीं है तो वे उसका इस्तेमाल कैसे करेंगी। मेरे एरिया में जन औषधि केंद्र भी नहीं था तो मैंने उसके लिए भी एप्लिकेशन डाली। बघरा एरिया में 60 गांव हैं, लेकिन यहां कोई जन औषधि केंद्र नहीं। यहां स्कूलों में भी लड़कियों को सैनिटरी नेपकिन नहीं दिए जाते।

पेंटिंग और ट्यूशन फीस से जमा किए पैसे

महिलाओं को सैनिटरी नेपकिन लेने के लिए मैं सबसे पहले अपने ब्लाक में गई लेकिन वहां से कोई मदद नहीं मिली। फिर मैंने लड़कियों की टीम बनाई और घर-घर जाकर नेपकिन बांटे। इस काम के लिए एकम हम लड़कियों ने ही जमा की। हम चार-पांच लड़कियां अपनी पेंटिंग, बच्चों के ट्यूशन की फीस से सेनिटरी नेपकिन खरीदते हैं। अभी एक पेटी 2500 रुपए की आती है। 2019 से सेनिटरी नेपकिन का काम शुरू किया और अभी भी चल रहा है। अब सरकारी संस्थाएं भी महिला मुद्दों पर बोलने के लिए मुझे बुलाती हैं। आगे महिलाओं को रोजगार के बारे में बताना चाहती हूं। क्योंकि यहां महिलाएं खेतीबाड़ी करती हैं पर उन्हें इससे आगे बढ़ाना है।

कोविड के समय में भी दीवारों पर पेंट किया और लोगों को समझाया कि घरों से मत निकलो। ये काम करने के लिए पेंटिंग सिर्फ अपने ही गांव नहीं बल्कि दूसरे गांवों में भी गए। अब प्राथमिक विद्यालयों में जाकर बच्चों को महिला मुद्दों से लेकर सामाजिक मुद्दों के बारे में भी बताते हैं। अब लड़कियां मुझसे पढ़ाई के अलावा क्राफ्ट वर्क में भी मदद लेने आती हैं।

अभी मेरे क्षेत्र के तालाब बहुत गंदे हैं उन्हें साफ करवाना है। तालाब 2009 में साफ हुए थे तबसे अभी तक नहीं हुए हैं। पीने का पानी साफ नहीं आता इसलिए यहां का पानी साफ करना है। मुझे जितना ज्ञान जहां से मिला वहां से लिया। इसी उत्सुकता ने मुझे टॉपर बनाया और मेरे भीतर एक सोशल वर्कर को जगाया। स्वच्छता अभियान में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

मुझे उत्कृष्ट युवा पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। अब मुझ पर बाकी लड़कियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है। मुझे उन्हें आगे का रास्ता दिखाना है। किसी भी लड़की को जो मौका मिलता है उसे वो अपनाना चाहिए और उसमें आगे बढ़ना चाहिए। साथ ही खुद अपने आसपास में घट रही घटनाओं के लिए जागरूक

स्त्रियों का न देवी मानने की जरूरत है और न ही पूजने की, बल्कि स्त्री का सम्मान करना और बराबरी का अधिकार देना जरूरी है - माता सावित्री बाई फूले

अजय सैनी को मिली पत्रकारिता में डॉक्टरेट की उपाधि

पुष्कर। राजस्थान पशु चिकित्सा कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष अजय सैनी को पैसिफिक विश्वविद्यालय ने पत्रकारिता एवं जनसंचार में डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की है।

सैनी ने 'पुष्कर तथा पुष्कर पशु मेले के पर्यटन संवर्द्धन में मीडिया के योगदान का अध्ययन एवं विश्लेषण' विषय पर पैसिफिक विश्वविद्यालय उदयपुर से अपना शोध कार्य विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर डॉ. निर्मला राव के निर्देशन में शोध कार्य पूरा किया।

सैनी ने बताया कि इस शोध के निष्कर्ष से ज्ञात हुआ है कि पुष्कर मेले और पर्यटन के व्यापक प्रचार प्रसार में आधुनिक मीडिया की महत्ती भूमिका है पुष्कर को अंतर्राष्ट्रीय पहचान और प्रसिद्धि दिलाने तथा विश्वविख्यात पुष्कर मेले और पशु मेले के प्रचार प्रसार में आधुनिकतम सभी मीडिया माध्यमों का उपयोग देखा जा सकता है। राजस्थान सरकार और राजस्थान पर्यटन विकास निगम पुष्कर तीर्थ को आधुनिक तकनीकी शुरू प्रदान करने और कुशल प्रबंधन द्वारा इसे विश्वविख्यात बनाने के लिए सतत प्रयत्नशील है।

पुष्कर में मीडिया और सरकारी रीति नीतियां पर्यटन के लिये सकारात्मक वातावरण निर्मित कर रही है। हम सभी अजय सैनी को हार्दिक बधाई प्रेषित करते है।

श्रीमती लीना कुमारी को मिला राष्ट्रीय खेल गौरव पुरस्कार

गांव धरसू हरियाणा से श्रीमती लीना कुमारी पत्नी विक्रम सिंह सैनी को राष्ट्रीय खेल गौरव पुरस्कार दिया गया यह कार्यक्रम महाराष्ट्र के नासिक में दिनांक 23 अक्टूबर 2021 को हुआ था।

इस पुरस्कार के लिए श्रीमती लीना कुमारी का चयन उनकी खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों को देखते हुए दिया गया है श्रीमती लीना कुमारी ने ताइक्वांडो में राष्ट्रीय स्तर पर आधा दर्जन राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भाग लिया तथा टीम इंडिया के सहायक मैनेजर के रूप में नेपाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया था वर्तमान में लीना कुमारी राष्ट्रीय महिला सम्मान की राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रही हैं। श्रीमती लीना कुमारी की सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

सैनी समाज द्वारा बेटियों की सफलता पर जुलूस निकाल किया गया सम्मान

लाडनूं। स्थानीय सैनी समाज की बेटी के एमबीबीएस के लिए चयनित होने और निकटवतह डाबड़ी गांव की दो बेटियों को योग में विशेष उपलब्धि के लिए जिला स्तर पर सम्मानित किए जाने पर एक समारोह का आयोजन करके उन्हें सम्मानित किया गया। एमबीबीएस सलेक्ट छात्रा मनसा सांखला के यहां बस स्टेंड पहुंचने पर गाजे-बाजे कज साथ स्वागत करते हुए जुलूस के साथ सैनी अतिथि भवन लाया गया तथा वहां से जुलूस के साथ उसे घर पहुंचाया गया।

सैनी अतिथि भवन में सैनिक क्षत्रिय सभा के अध्यक्ष जंवरीमल पंवार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मनसा सांखला, सरिता माली व विमला माली का माल्यार्पण और उपहार प्रदान करके स्वागत-सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बेटी बचाओ बेटी पढाओ प्रकल्प की पूर्व जिला संयोजिका पार्षद सुमित्रा आर्य मुख्य अतिथि थी, जिन्होंने बेटियों को आगे बढाने को प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम में तीनों बेटियों के पिता टीकमचंद सांखला, लिखमाराम माली व मोतीराम माली का भी माल्यार्पण कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर पार्षद यशपाल आर्य, हरजी सैनिक, डालमचंद सांखला, महावीर प्रसाद तंवर, गुलाबचंद चौहान, भंवरलाल चौहान, रामोतार टाक, निहाल चंद सांखला, सुगनचंद सांखला, भोलाराम सांखला, मांगीलाल सांखला, हीरालाल परिहार, बाबूलाल सांखला, सुगनचंद माली, अनोपचंद सांखला, बजरंगलाल यादव, विजयसिंह टाक, सुपारस मल सांखला आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जगदीश यायावर ने किया।

65 वी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 2020 -21 जालोर में आयोजित हो रही है इस प्रतियोगिता में खुशमन सैनी ने 45 किग्रो भार जूडो खेल में गोल्ड मेडल जीत दिल्ली में होने वाले नेशनल गेम्स में सेलेक्ट होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामना। माली समाज संस्था ठाणे पदाधिकारी श्रीमती सुजाता रविराज इल्वे को मिसेज इंडिया आइडियलिस्टिक

बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

समाज गौरव, मृदुभाषी, सरल स्वभाव के धनी, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी, उत्कृष्ट वक्ता, रेडीयो उदघोषक आदरणीय जितेंद्र परमार (जालोरी) प्रदेश उपाध्यक्ष, माली सैनी समाज सेवा संस्थान आप को संस्कार भारती जोधपुर के प्रांतीय अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन संस्थान के चुनावों की घोषणा

पुष्कर। कार्तिक मास मे अन्तर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले के शुभअवसर पर अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन संस्थान पुष्कर, जिला-अजमेर के तत्वावधान मे आज कार्यकारी अध्यक्ष बाबूलाल दग्दी की अध्यक्षता मे आमसभा का आयोजन हुआ।जिसमें आय-व्यय, संस्थान के नये अध्यक्ष के चुनाव पर चर्चा व धोषणा की गई व धर्मशाला के विकास कार्यों पर चर्चा हुयी।

देशभर से जुटे समाजबंधुओं की उपस्थिति मे 14 नवम्बर से चल रहे भंडारे का आयोजन करने वाले डिडवाना के मदनलाल सैनी की टीम को माला व साफा पहनकर कर अभिनन्दन किया। कोषाध्यक्ष मांगीलाल भाटी ने संस्थान का आय-वयय का ब्यौरा दिया। विभिन्न समाज सेवियों का जारी की गई रसीद-बुकों की बकाया राशि वसूली पर गंभीर चर्चा हुयी। महासचिव मुकेश अजमेर ने नये अध्यक्ष चुनाव की प्रक्रिया हेतु सर्वसम्मति से चुनाव अधिधोषणा की गई जिसमें 15 दिसंबर, 2021 तक नये सदस्य बनाने 31 दिसंबर,2021 को अंतिम मतदाता सुची का प्रकाशन, 07 जनवरी,2022 को नये अध्यक्ष पद हेतु फार्म लेना व भरना, 08 जनवरी, 2022 को नाम वापस लेना और जरूरी हुआ तो 15 जनवरी,2022 को मतदान होगा। मंच का संचालन आल इंडिया सैनी समाज के महासचिव तारांचद गहलोत ने किया। कार्यवाहक अध्यक्ष बाबूलाल दग्दी ने सभी समाजबंधुओं का आभार व धन्यवाद प्रेषित किया। कार्यक्रम के अंत मे पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय ऊँकाराराम कच्छवाह को दो मिनट मौन रहकर श्रद्धांजलि व उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। आमसभा मे अजमेर से भागचंद सांखला, महावीर सिह चौहान, भागचंद पंवार, प्रदीप कच्छवाह, हेमराज सिसोदिया, मुरली सांखला, विजय मौर्य, हेमेन्द्र सिगोदिया, नोरतमल पालडिया, के.सी.माली, पन्ना लाल भाटी, रतनलाल सिसोदिया उपस्थित थे। इसके अलावा संस्था के पधाधिकारी मे सेवाराम दग्दी,रूप चन्द्र मारोठिया, मदनलाल भाटी, जयराज सोलंकी, सुखदेव, मनीष गहलोत, श्याम भाटी, अर्जुन सिंह गहलोत इत्यादि भी विशेष तौर पर उपस्थित थे।

कोविड 19 के तहत दिशा-निर्देशानुसार पूंजला नाडी देवझूलनी ग्यारस कार्यक्रम

जोधपुर। कोविड 19 के तहत दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए पूंजला नाडी परिसर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्राम पूंजला व ग्राम अन्नासागर के ठाकूरजी महाराज की पालकी में बिठाकर स्नान करने के लिए लाया गया।

श्री सैनिक क्षत्रिय पूंजला नाडी संरक्षण एवं पर्यावरण विकास संस्थान के संस्थान संयोजक राकेश सांखला व कार्यक्रम संचालक जगदीश देवड़ा ने बताया कि पूंजला नाडी परिसर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्राम पूंजला व ग्राम अन्नासागर के ठाकूरजी महाराज की पालकी में बिठाकर स्नान करने के लिए लाया गया। सनातन धर्म व हिन्दू रीति-रिवाजों व मान्यता को ध्यान में रखते हुए और भारतीय संस्कृति को जीवन्त करने के उद्देश्य से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी देव झूलनी ग्यारह का त्यौहार मनाया गया। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को राजस्थान, मध्यप्रदेश जैसे कुछ राज्यों में ये त्यौहार बड़ी धुमधाम व गाजे-बाजे के साथ बनाया जाता है, लेकिन कोविड 19 के दिशा-निर्देशों के चलते आज का कार्यक्रम सामान्य व बिना किसी धुमधाम के मनाया गया।

शास्त्रों के अनुसार देवझूलनी ग्यारस के दिन कई गई कथाएं प्रचलित है, जिसमें भगवान विष्णु-लक्ष्मी श्रृंगार करके खूबसूरत पालकी में सजाकर जल-यात्रा हेतु निकलते है, इस कारण इसे जलझूलनी व डोल ग्यारस कहते है। साथ ही इसी दिन भगवान विष्णु के आठवें अवतार श्रीकृष्ण अर्थात् बाल गोपाल की माता यशोदा का जलवा पूजन किया जाता है, जिसके कारण इसे परिवर्तनी एकादशी भी कहते है, क्योंकि चातुर्मास के दौरान भगवान विष्णु अपने शयनकाल में इस दिन करवट बदलते है। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की इस एकादशी करने वाले के जीवन में समस्त संकटों व कष्टों का नाश होता है और व्यक्ति जीवन-मरण के चक्र से मुक्त होने पर मोक्ष प्राप्ती स्वरूप भगवान विष्णु के परमलोक बैकुंठ को जाता है। माँ लक्ष्मी की असीम कृपा के कारण इसे पदमा एकादशी भी कहा जाता है, जिससे जीवन में मान-सम्मान, प्रतिष्ठा, पद, धन-धान्य की मनुष्य को प्राप्ती होती है। ठाकुर जी के भक्तों द्वारा धूमधाम के साथ ठाकुरजी को पालकी में लेकर आये, उन्हें स्नान करवाया, फिर पूजा-अर्चना कर पुनः पालकी से मंदिर की तरफ प्रस्थान कर गये।

संस्थान संरक्षक छंवरलाल गहलोत, लिखमाराम सुथार, महेन्द्र सोलंकी, प्रदीप, दिलीप परिहार, कानाराम वैष्णव आदि सदस्यों ने अपना सहयोग प्रदान किया।

सुनीता सैनी के लफ्टिनेंट बननें पर स्वागत

उदयपुरवाटी। नौसेना में सब लेफ्टिनेंट बनने पर सुनीता सैनी का किया अभिनंदन उदयपुरवाटी खंड के जोधपुरा ग्राम पंचायत की ढाणी नोनाला पर बेटी सुनीता सैनी का भारतीय नौसेना में सब–लेफ्टिनेंट के पद पर चयन होने पर सैनी युवा मोर्चा उदयपुरवाटी की ओर से अभिनंदन किया गया। अभिनंदन समारोह जोधपुरा ग्राम पंचायत के सरपंच रोहिताश सैनी के मुख्य आतिथ्य व पूर्व सरपंच छाजू राम सैनी बाघोली की अध्यक्षता में आयोजित हुआ स सुनीता सैनी के पिता हजारी लाल सैनी वर्तमान में भारतीय नौसेना में मास्टर चीफ पेटी ऑफिसर द्वितीय के पद पर पदस्थापित हैं। सुनीता सैनी की स्कूल शिक्षा विशाखापट्टनम व कोचिन तथा बी.टेक की पढ़ाई जेईसीआरसी जयपुर से हुई। अभिनंदन समारोह में सुनीता सैनी का माला और साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सब लेफ्टिनेंट सुनीता सैनी ने बताया कि मुझे नौसेना में जाने की प्रेरणा मेरे पिता से मिली। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थी अपने लक्ष्य की प्राप्ति करने के लिए अच्छे डेडीकेशन के साथ पढ़ाई करें समारोह के संयोजक एडवोकेट मोतीलाल सैनी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि सुनीता सैनी का सब लेफ्टिनेंट के पद पर चयन होने से जिले के लोगों को गर्व है।

इस अवसर पर अभिनंदन समारोह में सुनीता सैनी की माता कमला देवी, वार्ड पंच मदन लाल सैनी, सरदार सैनी, लालचंद सैनी, फूलचंद सैनी, बाबूलाल सैनी, मालीराम सैनी, रामचंद्र सैनी, बद्री प्रसाद सैनी, भीवा राम सैनी, गुलजारीलाल, बनवारी लाल, रामजीलाल, सुनीता सैनी, माया देवी, ओमली देवी, प्रिया कुमारी, पूजा कुमारी, लाली देवी, संदीप कुमार, द्वारका प्रसाद, श्रवणी देवी, चावली देवी, महिपाल सैनी सहित कई ग्रामीण मौजूद थे ।

7वें सामूहिक विवाह कार्यक्रम के बैनर का विमोचन एवं दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम

जोधपुर। श्री नारायण सेवा समिति मण्डोर द्वारा एस.बी. होटल मण्डोर के प्रांगण में समिति सदस्यों का एवं सहयोगी संस्थाओं के सदस्यों का दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। समिति के सप्तम् सामूहिक विवाह के बैनर का विमोचन समाज सेवी श्री सांवलसिंह सॉंखला द्धमयूरांक्षी कॉलेजऋ एवं माली संस्थान के अध्यक्ष श्री प्रेमसिंह परिहार के कर कमलों द्वारा समिति के वरिष्ठ सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। आज के समारोह में सर्व श्री धरमसिंह गहलोत, सुभाष गहलोत, अमित सांखला, रणजीतसिंह गहलोत, सुखसिंह कच्छवाह, प्रेमसिंह सोलंकी, समिति के अध्यक्ष मनोहरसिंह सांखला, मोहनसिंह गहलोत, राजूसिंह गहलोत, जयसिंह गहलोत, मुकेश राज गहलोत, हनुमानसिंह गहलोत, तारासिंह सांखला, कल्याणसिंह सांखला, अनिल कुमार कच्छवाह, हेमसिंह सांखला, गोपालसिंह गहलोत, अक्षयसिंह टाक, चेतन गहलोत, राकेश सांखला, खींवसिंह परिहार, नरेन्द्रसिंह गहलोत, जगदीश देवड़ा द्ध;तु स्टूडियोऋ, संदीप चौहान, जवरीलाल भाटी, कैलाशचन्द्र आर्य आदि की उपस्थिति विशेष रूप से रही।

रानी अमोल मोरे 'साहित्य भूषण' पुरस्कार से सम्मानित

सतारा। अखिल भारतीय मराठी साहित्य आंदोलन के प्रमुख केंद्र मराठी साहित्य मंडल की ओर से इस वर्ष का साहित्य क्षेत्र का महत्वपूर्ण साहित्य भूषण पुरस्कार महाराष्ट्र के वाशिम जिले की मिट्टी से जुड़ी मुंबई की युवा साहित्यकार रानी अमोल मोरे – उलेमाले के रानमोती काव्य संग्रह को सातारा में हाल ही में सम्पन्न हुए तृतीय डा. बाबासाहेब आंबेडकर साहित्य सम्मेलन में प्रदान किया गया। इस साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन वरिष्ठ विचारवंत राजरत्न आंबेडकर ने किया तथा सम्मेलन अध्यक्ष के रुप में सिक्किम के पूर्व राज्यपाल तथा महान विचारक डा. श्रीनिवास पाटिल व स्वागताध्यक्ष वरिष्ठ विचारक एड. गौतम सरतापे उपस्थित थे तथा मुख्य अतिथि के रुप में पूर्व न्यायाधीश व वरिष्ठ विचारक रावसाहेब झोडगे, वरिष्ठ साहित्यिकार डा. जयप्रकाश घुमटकर, कवयित्री ललिता गवांदे, कवयित्री नीलीमा जोशी, लेखक विनायकराव जाधव उपस्थित थे । रानमोती वैसे तो वऱ्हाड वार विदर्भ पर्यटन पर आधारित काव्यसंग्रह के बाद आया रानी मोरे का दूसरा ही काव्य संग्रह है फिर भी जीवनावश्यक विषय पर बेहद गंभीर और निरागस रुप से भाष्य करने वाला, अनावश्यक रुढ़ी प्रथाओं पर आघात करने वाला, आधुनिक काल के मराठी काव्य क्षेत्र में विभाग निहाय प्रस्तुति करने वाला, प्रिंट तथा डिजिटल प्लेटफार्म पर उपलब्ध पहला ही काव्य संग्रह होने से साहित्य भूषण पुरस्कार के लिए चुने जाने का प्रतिपादन वरिष्ठ साहित्यिकार तथा चयन समिति अध्यक्ष डा. जयप्रकाश घुमटकर ने स्पष्ट किया। पुरस्कार स्वीकारते समय रानी अमोल मोरे – उलेमाले ने मराठी साहित्य मंडल का आभार व्यक्त करते हुए दैनदिन मानवी जीवन के लिए उपयोगी और प्रगति के लिए जिम्मेदार साबित होने वाली जीवन उपयोगी बातों पर लेख को मराठी साहित्य में भारी तादाद में होने की बात स्पष्ट की । साथ ही महाराष्ट्र के साहित्य क्षेत्र को देशस्तर पर पुनर्जीवित करने के लिए प्रयास करने की बात भी कही ।

माली समाज वेलफेयर सोसायटी सिरोही के अध्यक्ष बनें ताराराम माली

सिरोही। दिनांक 14.11.2021 को माली समाज वेलफेयर सोसायटी सिरोही की आम सभा का आयोजन माली समाज सेवा संस्थान के हॉल में अध्यक्ष रघुभाई माली की अध्यक्षता में आहूत की गई।

साथ ही आम सभा में अध्यक्ष रघुभाई माली ने अपना इस्तिफा आम सभा में देने पर उपस्थित सदस्यों ने आज ही चुनाव करवाने का निर्णय लेते हुऐ, चुनाव अधिकारी हीरालाल माली व धनश्यामलाल माली को नियुक्त करते हुए चुनाव प्रक्रिया अध्यक्ष पद के लिए आरंभ की गई। जिसमें समाज के सदस्यों में से अध्यक्ष पद के लिए शंकरलाल माली ने ताराराम माली का नाम प्रस्तावित किया। साथ ही हीरालाल माली ने इनका समर्थन करते हुए, चुनाव अधिकारियों ने अपनी चुनाव प्रक्रिया करते हुए केवल एक ही नाम आने पर ताराराम माली को निर्विरोध निर्वाचित करते हुए चुनाव अधिकारी धनश्याम माली ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष ताराराम माली को पद व गोपनियता की शपथ दिलाई गई।

साथ ही पुरानी कार्यकारिणी का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। बैठक में समर्पित एवं पूर्व एम्बुलेन्स ड्राईवर राजु भाई माली के लिये श्र)ांजलि सभा का आयोजन कर दो मिन्ट का मौनधारण कर प्रार्थना की गई।

पूर्व अध्यक्ष रघुभाई माली ने उपस्थित समाज के सभी युवा एवं सम्मानित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आपके सहयोग से वेलफेयर सोसायटी का खुब विकास हुआ हैं, आगे भी जैसा आपने मुझे सहयोग दिया हैं ऐसे ही नवनियुक्त अध्यक्ष ताराराम माली को भी सहयोग प्रदान करना है। नवनियुक्त अध्यक्ष ताराराम माली ने अपने उद्बोधन में कहा कि माली समाज वेलफेयर सोसायटी एक सेवाभावी संस्था हैं, जो नरसेवा नारायण के सि)ान्त पर कार्यरत है। इस पुनित कार्य के लिए अधिक से अधिक समाज के युवा जुडकर इस पुनित कार्य में अपना सहयोग देने की अपील की गई तथा पुन: एम्बुलेन्स सेवा का शुभारंभ किया जायेगा। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष रघुभाई माली, सचिव भंवरलाल माली, सहसचिव जयन्तिलाल माली, कोषाध्यक्ष दलाराम माली, भैराराम माली, ताराराम माली, शंकरलाल माली, रणछोड लाल परिहार, धनश्यामलाल माली, हीरालाल के. माली, हीरालाल जोनाजी, समाजसेवी कानाराम देवडा, शंकरलाल माली द्धबालदाऋ, जोगाराम द्धबालदाऋ, माली समाज सेवा संस्थान अध्यक्ष चेताराम माली, कोषाध्यक्ष देवाराम माली, हरिश परिहार, आदाराम माली, प्रकाश चमनाजी, खेताराम माली, मोहनलाल माली, पूर्व अध्यक्ष शान्तिलाल माली, मगनलाल माली द्धचिरागऋ, गोपाल माली, छोगाराम माली, कपूर माली, दिनेश माली, नैनाराम माली, होलाराम, राजेन्द्र माली द्धपोसालियाऋ, हरिश माली द्धउडऋ हिम्मत माली द्धजावालऋ, मीठालाल माली, लाड्राम माली द्धपोसालियाऋ, जगदीश भाई द्धपोसालियाऋ, राजुभाई द्धपोसालियाऋ आदि समाज के प्रबु) नागरिक उपस्थित रहे।

भव्य रोशनी से जगमगाया नृसिंह जी की प्याऊ मार्केट नगर निगम उत्तर महापौर कुंती देवड़ा ने किया शुभारम्भ

राम रथ सेवा समिति मंडोर की वार्षिक साधारण सभा का अधिवेशन संपन्न

राम रथ सेवा समिति मंडोर की वार्षिक साधारण सभा का अधिवेशन समाजसेवी एवं विशिष्ठ संरक्षक सदस्य श्री किशन सिंह देवड़ा की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक समिति कार्यालय के परिसर में स्थित सभागार में संपन्न हुआ।

समिति के 5 नए विशिष्ठ संरक्षक सदस्यों श्री जयसिंह गहलोत पालड़ी, श्री शैतानसिंह सांखला, श्री मदनसिंह भाटी, श्री भारतसिंह गहलोत, इंजीनियर श्री राजेन्द्रसिंह गहलोत व 58 आजीवन सदस्यों को सदस्यता प्रमाण-पत्र एवं दुपट्टा प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समिति के द्वारा गत 2 वर्षो के दौरान किए गए सामाजिक कार्यो की विस्तृत विवेचना समिति सचिव हरिसिंह आर्य ने की तथा बताया कि गत 2 वर्षो, विशेषत: कोविड-19 की विकट परिस्थितियों के दौरान समिति के द्वारा लगभग 400 शवों का नि:शुल्क परिवहन घ्ज्ञर से श्मशान तक किया गया, इसी प्रकार समिति द्वारा संचालित अंतिम संस्कार सामग्री केन्द्र द्वारा 60 शवों की अंत्येष्टि हेतु अंतिम संस्कार सामग्री नि:शुल्क प्रदान की गई।

समिति के संरक्षक श्री रामसिंह गहलोत, अध्यक्ष श्री जयसिंह गहलोत, कोषाध्यक्ष श्री रामेश्वर सांखला, संगठन मंत्री श्री विरेन्द्रसिंह देवड़ा, श्री संपतराज आर्य, कार्यकारिणी सदस्यों एवं साधारण सदस्यों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नृसिंह जी प्याऊ मार्केट एसोसिएशन की तरफ से नृसिंहजी की प्याऊ मार्केट में प्रथम बार भव्य रोशनी का आयोजन किया गया, जिसकी उद्घाटन जोधपुर नगर निगम उत्तर जोन की महापौर श्रीमती कुंती देवड़ा-परिहार द्वारा किया गया। अध्यक्ष दीपक गहलोत ने बताया कि चतुरावता पुलिया हनुमान जी मंदिर, नृसिंह जी की प्याऊ, कीर्ति नगर डी सेक्टर, किर्ती नगर सी सेक्टर, राजीव गांधी कॉलोनी हनुमानजी का मंदिर व नृसिंह की प्याऊ से शिव पब्लिक स्कल मगरा-पूंजला रोड़ तक भव्य रोशनी की गई। उपाध्यक्ष भंवराराम कुमावत ने बताया कि दिनांक 02.11.2021 धनतेरस से दिनांक 06.11.2021 तक भव्य रोशनी मार्केट में रहेगी, जिसका आगन्तुक लाभ ले सकेगें। कोषाध्यक्ष मोहनसिंह देवड़ा ने बताया कि दिनांक 03.11.2021 को दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा, जिसमें नृसिंह जी प्याऊ मार्केट एसोसिएशन के सभी सदस्य सपरिवार सम्मिलित होगें।

एसोसियेशन व्यवस्थापक जगदीश देवड़ा ने बताया कि इस क्षेत्र में पहली बार भव्य रोशनी का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन जोधपुर नगर निगम उत्तर जोन की महापौर श्रीमती कुंती देवड़ा-परिहार के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के स्थानीय पार्षद भैरूसिंह परिहार द्धवार्ड नं. 71ऋ, ममता-अमित सांखला द्धवार्ड नं. 72ऋ, ओ.पी.भाटी द्धवार्ड नं. 73ऋ, शोभा-ब्रह्मसिंह देवड़ा द्धवार्ड नं. 74ऋ, जानी देवी द्धवार्ड नं. 68ऋ के साथ कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए।

एसोसिएशन के सदस्य जयसिंह, सज्जन, मुकेश, महेश, रावला जाणी, नितेश, सुनिता, रवि, विवेक परिहार, पवन वैष्णव, महेन्द्र, सुनिल टाक, श्रवण सोलंकी, विशाल, जयवीर, ओमाराम, मनीष, जाजू, हीरालाल, पवन, दौलतसिंह, रामपाल आदि के सहयोग से भव्य रोशनी का कार्यक्रम व व्यवस्था बनाई जा सकी।

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापूराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासुदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मंगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास)
सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गोगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकुमार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलूराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द्र पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री भेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तूर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सीजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तूरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमाल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारतराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाह, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, व्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुर्वई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानियां
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नैनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरवा
श्री भीकाराम खेतारम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिंवरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जवनारायण कच्छवाह, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर

माली समाज प्रतिभा : 52 वर्षीय ओंकार पहलवान

भरतपुर संभाग में सैनी समाज के गौरव एवं लाडले सपूत ओंकार पहलवान समाज को सम्मान देने वाले अकेले पहलवान जिन्होंने 52 वर्ष की उम्र में भी 25 नवंबर 2021 को कांस्य पदक जीतकर समाज का सम्मान बढ़ाया पूर्व में उन्होंने लगभग 40 गोल्ड मेडल 15 सिल्वर मेडल और 8 कांस्य पदक प्राप्त किए हैं लेकिन इस समाज ने अब तक इस व्यक्ति को नहीं पहचाना है इसलिए भरतपुर में महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास पर दिनांक 28 नवंबर 2021 रविवार को सैनी समाज विकास समिति द्वारा सम्मानित किया गया।

श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, चालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री बृलाराममगहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकाराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटूराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पुनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्मराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, फलोदी
श्री धनराज पुत्र श्री रागाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबूलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मर्यक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धर्मेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरंवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पूराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', सरपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुकमाराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्धाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एम.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छवा, अजमेर
श्री ताराचंद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश
श्री ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री गणपत जी लाडनूं
डॉ प्रवीण पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राकेश पुत्र श्री छतरसिंह गहलोत, जोधपुर
डॉ. भीमपाल पुत्र श्री बुधाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्मेन्द्र कच्छवाहा,भीतलाड़ा
श्री गोविंद पुत्र श्री भगवानसिंह परिहार, जोधपुर
श्री शरद टाक, जोधपुर
श्री मुकेशराज पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, जोधपुर

माली सैनी सन्देश

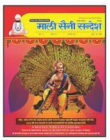

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक _____

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियां आपको विगत 15 वर्षों से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नही देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी देव–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु. 600/- | **5 वर्ष रु. 1,500/-** | **आजीवन रु. 3,100/-**

नाम/संस्था का नाम _____

पता _____

फोन/मोबाईल _____ ई–मेल _____

ग्राम _____ पोस्ट _____ तहसील _____

जिला _____ पिनकोड _____

राशि (रूपये) _____ बैंक का नाम _____

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक _____ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक _____

हस्ताक्षर

सूर्या होटल के पास, मोहनपुरा पुलिया, नई सड़क चौराहा, जोधपुर - 01 मो. 77379 54550 (कार्यालय)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

ही क्यों ?

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
वह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

INNER COLOR

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

Cell : 94144 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : सूर्या होटल के पास, मोहनपुरा पुलिया, नई सड़क चौराहा, जोधपुर - 01 मो. 77379 54550 (कार्यालय)

www.malisainisandesh.com

रोहतक में निःशुल्क कोचिंग संस्थान का शुभारंभ

यह प्रयास निश्चित ही युवाओं को उच्च शिक्षा में मददगार होगा – राजेन्द्र गहलोत

रोहतक। हरियाणा के रोहतक में महात्मा ज्योतिराव फुले कोचिंग संस्थान, इंडियन टॉवर सुखपुरा चौक, रोहतक के शुभारंभ अवसर पर ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलबाग सिंह सैनी की अध्यक्षता में राज्यसभा सांसद राजेंद्र सिंह गहलोत और लोकसभा कुरुक्षेत्र से सांसद नायाब सिंह सैनी की गरिमामय उपस्थिति में, अस्टिंट डॉयरेक्टर जनरल (आई.पी.एस.) ऑफिसर गौरव सैनी, महंत डॉ अशोक गिरी, रोहतक से सैनी एजुकेशन सोसायटी के प्रधान और पूरी टीम अंतरराष्ट्रीय महंत जूना अखाड़ा, भिवानी, स्वामी सागर नाथ जी हांसी, जतिन सैनी बॉक्सर मेरठ से और उनकी टीम, अशोक सैनी जी, राजेश दहिया जी और उनकी टीम,और कैथल से श्री पाला राम सैनी जी उनके साथी, कुरुक्षेत्र सैनी सभा के प्रधान श्री गुरनाम सिंह सैनी जी, पेहवा से आए।

शिक्षा के क्षेत्र में शुरू किए जा रहे नए प्रयास की राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत ने तारीफ करते हुए इस संस्थान के सफलता की कामना की और कहा कि संस्थान के माध्यम से शिक्षा के साथ ही प्रतियोगी परिक्षाओं की तैयारियां करने वाले समाज के युवा अधिक से अधिक सफलता प्राप्त कर देश के सरकारी विभागों में अपनी श्रेष्ठ कार्यो से विकास में अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने इस अवसर पर संस्थान के द्वारा शुरू किए गए प्रयासों के लिए आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह महात्मा फूले जी को सच्ची श्रद्वाजलि है फूले ने सैकड़ों साल पहले शिक्षा एवं सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अलख जगा विशेषकर पिछड़े अति पिछड़ों एवं दलितों के उत्थान के लिए स्वयं कार्य करने के साथ ही अपनी पत्नी माता सावित्री बाई फूले को शिक्षित कर देश की प्रथम महिला शिक्षिका बना जो क्रांति का सूत्रपात किया उसी से आज शिक्षा के क्षेत्र में हम सक्षम हुए है और अनेकों अनेकों कुरीतियों को मिटाने के लिए भी कृत संकल्पित है। इस अवसर पर सांसद नायाब सैनी ने भी आयोजकों का आभार प्रकट करते हुए इस शिक्षण संस्थान के लिए हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की बात कही।

समाज की अनेकों संस्थाओं के पदाधिकारीगण जन प्रतिनिधि के साथ ही कुरुक्षेत्र से नवनीत सैनी, हैरी सैनी, पानीपत से कुंवर रविंद्र सैनी, डॉ वीरेंद्र सैनी, सीए गोविंद सैनी, यमुनानगर से संदीप सैनी प्रधान और सतीश सैनी, गोहाना से परमवीर सैनी, सोनीपत सैनी सभा के प्रधान, भिवानी से धीरज सैनी प्रधान, सुरेश सैनी मीडिया प्रदेश प्रभारी भिवानी, बहदुरगढ़ से युवा साथी संजीव सैनी, धर्मवीर सैनी, डॉ जसवीर सैनी, दादरी से समाज के प्रधान सहित सैकड़ों प्रबुद्वजनों ने आयोजन में उपस्थित हो इस प्रयास के लिए आभार प्रकट किया। आयोजन समिति की ओर से मौजूद रहे सभी समाज बंधुओं अतिथियों का यहां पहुंच कर हमारा हौसला बढ़ाने के लिए दिल से धन्यवाद प्रकट किया गया।

लवकुश संस्थान के राजेन्द्र परिहार

राज्य स्तरीय पुरुस्कार से सम्मानित

जयपुर। कर्मयोगी स्वर्गीय भगवानसिंह परिहार (बाऊजी) द्वारा सिंचित पौधा नवजीवन संस्थान जो आज वृटवक्ष का रुप ले चुका है। माननीय यशस्वी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा बाल बच्चों की उत्कृष्ट सेवा हेतु नेहरु दिवस के अवसर 14/11/21 को राज्य स्तरीय पुरस्कार नेहरू बाल संरक्षण पुरस्कार नवजीवन संस्थान को दिया गया। संस्था संचालक प्रभारी सभी के प्रिय नि:स्वार्थ भाव से 24 घण्टे सेवा करने वाले राजेन्द्र परिहार व नवजीवन परिवार को अनेकों संस्थान के पदाधिकारियों एवं प्रबुद्धजनों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस अवसर पर नवजीवन संस्थान के प्रभारी राजेन्द्र परिहार ने कहा कि ये सम्मान सिर्फ नवजीवन संस्थान का नहीं है। ये सम्मान आप समस्त जोधपुर वासियों के साथ समस्त प्रदेश वासियों का सम्मान है। हम सब के प्रेरणास्रोत कर्म योगी आदरणीय बाऊजी की दूर दृष्टि से और आप सभी की प्रेरणा एवं सहयोग से हम सब को उर्जा मिलती रही। आप सब मिलते रहे और कारवां बनता रहा।

आज हमारी संस्था नवजीवन संस्थान बाल कल्याण एवं वृद्ध कल्याण के लिए पूरे देश में अग्रणी है और संस्थान में राजस्थान का एक मात्र मदर मिल्क बैंक जोधपुर में आरंभ हुआ है। जिसमें दुध पीते अनाथ असहाय बच्चों के लिए शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र की माताएं अपने दुग्ध दान कर उन्हें मातृत्व का यह अमृत नौनिहालों को प्रदान करती है।

शिक्षाविद निर्मल गहलोत

डॉक्ट्रेट की उपाधि से सम्मानित

डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए दिल्ली एनसीआर गुरुग्राम स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स के सभागार में इंटरनेशनल इंटर्नशिप यूनिवर्सिटी (आईआईयू) द्वारा उत्कर्ष के सीईओ को मानद डाक्ट्रेट की डिग्री से सम्मानित किया। निर्मल गहलोत को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर्स-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR